मुक्त चिंतन News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

01 जून, 2019

U P RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY

Sector - F, Shantipuram, Phaphamau, Prayagraj - 211021

ICSSR Sponsored National Seminar

on

OPEN AND DISTANCE LEARNING : SIGNIFICANCE, CHALLENGES AND POTENTIALITIES

01 & 02 June, 2019

Organized By :

School of Education

Venue

Tilak Shastrarth Sabhagar

Sarswati Parisar (Academic Campus)

U P Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj (U.P.)-211021

मुविवि में दूरस्थ शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 01 जून, 2019 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित की गयी। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव जी रहे। मुख्य वक्ता श्री शिव कुमार, अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती, नई दिल्ली रहे। सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा, आचार्य, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय मा0कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन डॉ0 मीरा पाल ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने एवं विषय प्रवर्तन आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति यादव एवं अन्य अतिथियों ने इस अवसर पर ई–सोविनियर का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रो0 ओम जी गुप्ता, प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्त, प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी, डा0 टी0एन0 दुबे, प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, प्रो0 धनंजय यादव, डॉ0 आर0बी0 सिंह, डॉ0 रेखा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सेमिनार का समापन रविवार को अपरान्ह 3 बजे होगा। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. वंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, विलासपुर होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।

ई–सोविनियर का विमोचन का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 मीरा पाल एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं प्रतिभागीगण।

कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई छात्रायें।

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षक।

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं प्रतिभागीगण।

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो० पी०के० पाण्डेय ।

ई–सोविनियर का विमोचन का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण।

विषय प्रवर्तन करते हुए आयोजन सचिव डॉ० दिनेश सिंह

श्री शिव कुमार

शिक्षा में नैतिकता और मूल्य चिंतन का समावेश हो– शिवकुमार

दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर व्याख्यान देते हुये मुख्यवक्ता श्री शिव कुमार, अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती, नई दिल्ली ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में जहां शिक्षार्थी का शिक्षक से नियमित सम्पर्क बहुत कम होता है वहां किसी भी प्रकार की बाधा को दूर करने के लिये विशिष्ट शैली में निर्मित पाठ्यसामग्री और परामर्श सत्रों की उपयोगिता बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में आज शिक्षा तकनीकी के विवेकपूर्ण प्रयोग की आवश्यकता है। शिक्षा में नैतिकता और मूल्य चिंतन का समावेश मानव संसाधन विकास के लिये अपरिहार्य है। उन्होने दूरस्थ शिक्षा के चार सुविचारित आयामों विद्यार्थी, विषयवस्तु, पद्धति एवं शिक्षक पर ध्यान केन्द्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने भगिनी निवेदिता के शैक्षिक विचारों के आलोक में यह प्रतिपादित किया कि शिक्षा लौकिक व्यवहार और शिष्टाचार भी सिखाती है और परम विमुक्ति की ओर ले जाने का साधन भी बनाती है।

प्रो. कौशल किशोर शर्मा

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा में अनेक संभावनाएं हैं– प्रो0 शर्मा

सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा, आचार्य, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली व सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने कहा कि स्कूली शिक्षा की नींव हमारे यहां बहुत कमजोर है जिसे मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। इसे प्राथमिक और माध्यमिक स्तर से ही सही करने की आवश्यकता है। दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा में अनेक संभावनाएं हैं और साथ–2 अनेक चुनौतियां भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वस्तुतः एक अनवरत प्रक्रिया है जो सतत गतिमान रहती है। सतत विकास की अवधारणा अत्यन्त मूल्यवान है। प्रो0 शर्मा ने कहा कि आज भारतवर्ष में हर व्यक्ति का सतत विकास की ओर बढ़ना जरूरी है। इसी से उसका चतुर्मुखी विकास और उसके स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है। उन्होंने द्रोणाचार्य और एकलव्य का उदाहरण देते हुये बताया कि भारत में प्राचीन काल से शिक्षा के अनेक ऐसे रूप प्रचलित रहे है जिन्होंने वंचित वर्गों को भी अपने परिपूर्ण विकास के योग्य बनाया है। हमें उन अच्छाईयों को ढूंढना चाहिये और उन्हें दूरस्थ शिक्षा की नीतियों में सम्मिलित करना चाहिये।

माननीय न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव

शिक्षा में पारलौकिक शिक्षा का समावेश जरूरी– न्यायमूर्ति यादव

दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने कहा कि लौकिक शिक्षा के साथ साथ पारलौकिक शिक्षा का समावेश शिक्षा में बहुत जरूरी है। इसी से सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पूरा किया जाना संभव है। ज्ञान प्राप्ति के लिये शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी सम्पर्क कक्षाओं के माध्यम से अपने विषय के ज्ञान में वृद्धि कर सकता है। उन्होंने शिक्षा के पाठ्यक्रम में 'ध्यान' को व्यक्तित्व विकास एवं मन की शान्ति के लिए जरूरी बताया। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि अगर अपने को जानना है तो पराविद्या का आश्रय लेना होगा। सर्वांगीण विकास के लिये ज्ञान के साथ–साथ मनुष्य का आध्यात्मिक विकास भी होना चाहिये।

मुख्यवक्ता श्री शिव कुमार जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए
मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत
करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं डॉ0 दिनेश सिंह।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

शिक्षा का अंतिम उद्देश्य शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास करना है– प्रो0 सिंह

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आज के जीवन में सिद्धान्त का स्थान स्वार्थ और आदर्श का स्थान अवसर लेते जा रहे हैं ऐसे में शिक्षा का अंतिम उद्देश्य शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास करना है जो शिक्षा के सभी आयामों की सम्पूर्णता से ही संभव है। प्रो0 सिंह ने कहा कि भारत प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता वाला देश है। यहां आज आदर्श व्यक्तियों के निर्माण की महती आवश्यकता है, शिक्षा जगत के लिये यह एक बड़ी चुनौती है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त।

प्रथम तकनीकि सत्र

प्रथम तकनीकि सत्र के मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के पूर्व निदेशक, प्रो0 एस0पी0 गुप्ता को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए प्रथम तकनीकि सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक, प्रो0 ओमजी गुप्ता एवं प्रो0 ओमजी गुप्ता को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करती हुई डॉ0 नीता मिश्रा।

प्रो0 एस.पी. गुप्ता

प्रो0 एस.पी. गुप्ता ने कहा कि हमारे मन में शिक्षक–शिक्षार्थी सम्पर्क का जो परम्परागत ढांचा विद्यमान है, उसे बदलने की जरुरत है, तभी हम दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति के संदर्भ में सही ढंग से विचार और कार्य कर सकते हैं। भारत एक विशाल जनसंख्या वाला देश है यहा उच्च शिक्षा की बढ़ती हुई मांग को दूरस्थ व मुक्त शिक्षा द्वारा ही प्रभावी एवं गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पूरा किया जा सकता है।

प्रयागराज, रविवार, 2 जून, 2019

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

चैंपियन हालेप प्री क्वार्टर में -13

अभ्यास के साथ मौज-मस्ती में जुटी टीम इंडिया - 13

www.jansandeshtimes.net

प्रयागराज, रविवार, 2 जून, 2019

प्रयागराज

शिक्षा में पारलौकिक शिक्षा का समावेश जरूरी : न्यायमूर्ति यादव

ई-सोविनियर का विमोचन करते मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति यादव एवं अन्य अतिथिगण

प्रयागराज। लौकिक शिक्षा के साथ साथ पारलौकिक शिक्षा का समावेश शिक्षा में बहुत जरूरी है। इसी से सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पूरा किया जाना संभव है। ज्ञान प्राप्ति के लिये शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना आवश्यक है। उक्त उद्गार न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी सम्पर्क कक्षाओं के माध्यम से अपने विषय के ज्ञान में वृद्धि कर सकता है। उन्होंने शिक्षा के पाठ्यक्रम में ध्यान को व्यक्तित्व विकास एवं मन की शान्ति के लिए जरूरी बताया। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि अगर अपने को जानना है तो पराविद्या का आश्रय लेना होगा। सर्वांगीण विकास के लिये ज्ञान के साथ-साथ मनुष्य का आध्यात्मिक विकास भी होना चाहिये।

शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में शनिवार को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता विषय पर व्याख्यान देते हुये मुख्यवक्ता शिव कुमार, अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती, नई दिल्ली ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में जहां शिक्षार्थी का शिक्षक से नियमित सम्पर्क बहुत कम होता है वहां किसी भी प्रकार की बाधा को दूर करने के लिये विशिष्ट शैली में निर्मित पाठ्यसामग्री और परामर्श सत्रों की उपयोगिता बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में आज शिक्षा तकनीकी के विवेकपूर्ण प्रयोग की आवश्यकता है। शिक्षा में नैतिकता और मूल्य चिंतन का समावेश मानव संसाधन विकास के लिये अपरिहार्य है। उन्होने दूरस्थ शिक्षा के चार सुविचारित आयामों विद्यार्थी, विषयवस्तु, पद्धति एवं शिक्षक पर ध्यान केन्द्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने भगिनी निवेदिता के शैक्षिक विचारों के आलोक में यह प्रतिपादित किया कि शिक्षा लौकिक व्यवहार और शिष्टाचार भी सिखाती है और परम विमुक्ति की ओर ले जाने का साधन भी बनाती है।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आज के जीवन में सिद्धान्त का स्थान स्वार्थ और आदर्श का स्थान अवसर लेते जा रहे हैं ऐसे में शिक्षा का अंतिम उद्देश्य शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास करना है जो शिक्षा के सभी आयामों की सम्पूर्णता से ही संभव है। प्रो0 सिंह ने कहा कि भारत प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता वाला देश है। यहां आज आदर्श व्यक्तियों के निर्माण की महती आवश्यकता है, शिक्षा जगत के लिये यह एक बड़ी चुनौती है। सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा, आचार्य, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली व सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने कहा कि स्कूली शिक्षा की नींव हमारे यहां बहुत कमजोर है जिसे मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। इसे प्राथमिक और माध्यमिक स्तर से ही सही करने की आवश्यकता है। दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा में अनेक संभावनाएं हैं और साथ-2 अनेक चुनौतियां भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वस्तुतः एक अनवरत प्रक्रिया है जो सतत गतिमान रहती है। सतत विकास की अवधारणा अत्यन्त मूल्यवान है। प्रो0 शर्मा ने कहा कि आज भारतवर्ष में हर व्यक्ति का सतत विकास की ओर बढ़ना जरूरी है। इसी से उसका चतुर्मुखी विकास और उसके स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है। उन्होंने द्रोणाचार्य और एकलव्य का उदाहरण देते हुये बताया कि भारत में प्राचीन काल से शिक्षा के अनेक ऐसे रूप प्रचलित रहे है जिन्होंने वंचित वर्गों को भी अपने परिपूर्ण विकास के योग्य बनाया है। हमें उन अच्छाईयों को ढूंढना चाहिये और उन्हें दूरस्थ शिक्षा की नीतियों में सम्मिलित करना चाहिये।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन डॉ0 मीरा पाल ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने एवं विषय प्रवर्तन आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति यादव एवं अन्य अतिथियों ने इस अवसर पर ई-सोविनियर का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रो0 ओम जी गुप्ता, प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्त आदि रहे।

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

पर्यावरण के साथ विकास

पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी आएगी पेज 15 । बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की कड़ी परीक्षा पेज 16

रविवार, 02 जून 2019, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com

ज्ञान प्राप्ति को एकाग्रता जरूरीः न्यायमूर्ति

प्रयागराज। ज्ञान प्राप्ति के लिए शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना आवश्यक है। दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी सम्पर्क कक्षाओं के माध्यम से अपने विषय के ज्ञान में वृद्धि कर सकता है। 'ध्यान' व्यक्तित्व विकास एवं मन की शान्ति के लिए जरूरी है। यह बातें न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने कही। वे शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में आयोजित दो दिनी राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे।

आज का विचार

अपने उसूलों के लिए मैं स्वयं तो मरने तक को भी तैयार रहता हूं, लेकिन किसी को मारने के लिए हरगिज नहीं।

-महात्मा गांधी

अयोध्या | रविवार | 02 जून, 2019

ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष 14 संवत् 2076

वर्ष : 61 | अंक : 173 | पृष्ठ : 12

आर.एन.आई.पंजी.सं.4791/58

डा.पं.एल.डब्ल्यू./एन.पी.-247

अयोध्या, लखनऊ एवं बरेली से प्रकाशित

जनमोर्चा

www.janmorcha.in | सहकारिता के आधार पर संचालित | देश का सर्वप्रमुख हिन्दी दैनिक | www.facebook.com/janmorcha

कारोबार: सोना 32005, चांदी 36347 | सेंसेक्स 39714, निफ्टी 11922

इनसाइड न्यूज

अयोध्या आसपास @Page 5
किसान वैज्ञानिकों से सीधे कर सकेंगे बात: शाही

खेल खिलाड़ी @Page 9
कीवियों के सामने चित हुए श्रीलंकाई शेर, 10 विकेट से जीता न्यूजीलैंड

राजर्षि टण्डन मुक्त विवि की परीक्षाएं 4 से

फैजाबाद (अयोध्या)। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विवि की जून सत्र-2018 की परीक्षाएं 4 जून से प्रारम्भ हो रही हैं। विवि ने अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के छात्र-छात्राओं के लिए 12 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इन सभी परीक्षा केन्द्रों पर 6 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षायें दो पालियों प्रातः 8-11 एवं दोपहर 2-5 बजे के बीच संपन्न होंगी। अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र एवं परीक्षा समय सारणी विवि की वेबसाइट डब्लू.डब्लू.डब्लू. डाट यूपीआरटीओयू डाट एसी डाट इन से डाउनलोड कर सकते हैं।

परीक्षाएं सीसीटीवी की निगरानी में सम्पन्न होंगी। अयोध्या जनपद के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों का परीक्षा केन्द्र बीएनएस गर्ल्स डिग्री कालेज जनौरा बाईपास परिक्रमा मार्ग को बनाया गया है। परीक्षार्थी किसी भी समस्या के समाधान के लिए 7525048015 पर संपर्क कर सकते हैं। उक्त जानकारी क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ.शशिभूषण राम त्रिपाठी ने एक विज्ञप्ति में दी।

राजर्षि टण्डन मुक्त विवि की परीक्षाएं चार जून से

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं चार जून से प्रारम्भ हो रही हैं। विश्वविद्यालय ने अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के अलग-अलग अध्ययन केन्द्रों के छात्र-छात्राओं के लिए 12 परीक्षा केन्द्र बनाये हैं।

इन सभी परीक्षा केन्द्रों पर छह हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षायें दो पालियों प्रातः आठ बजे से 11 बजे तक एवं दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक होंगी। अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र एवं परीक्षा समय सारिणी विवि की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षाएं सीसीटीवी की गिरानी में होंगी।

अयोध्या जनपद के तहत आने वाले अध्ययन केन्द्र का परीक्षा केन्द्र बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज, जनौरा को बनाया गया है। परीक्षार्थी किसी भी समस्या के समाधान के लिए 7525048015 पर सम्पर्क कर सकते हैं। यह जानकारी राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ.शशि भूषण त्रिपाठी ने दी।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

02 जून, 2019

मुख्य अतिथि प्रो. बंश गोपाल सिंह जी को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

मुविवि में दूरस्थ शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

दिनांक 02 जून, 2019 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय मा0कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

इससे पूर्व डॉ0 नीता मिश्रा ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पर रिपोर्ट प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, प्रो0 धनन्जय यादव, प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, डॉ0 आर0बी0 सिंह, प्रो0 नागेन्द्र यादव आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

प्रो. बंश गोपाल सिंह

शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो शिक्षण सामग्री– प्रो0 बंशगोपाल

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षार्थियों के ज्ञान को व्यावहारिक जीवन की आवश्यकताओं से जोडे जाने की जरूरत है। इसके लिये सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से साहचर्य वाला पाठ्यक्रम शामिल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि परम्परागत शिक्षा संस्थानों पर आज बहुत दबाव है। इण्टरमीडिएट के बाद ड्रॉपआउट दर बहुत ज्यादा है, ऐसे शिक्षार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा माध्यम एक बड़ा कार्य कर रहा है। प्रो0 सिंह ने कहा कि आज जो नये विकास ज्ञान और कौशल के क्षेत्र में हो रहे हैं उनके शिक्षण और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना मुक्त विश्वविद्यालय के कार्य हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति से जुड़कर कामकाजी महिलायें, सेवानिवृत्त जिज्ञासु तथा नौकरी कर रहे लोग भी अपने ज्ञान का विकास का सकते हैं। समय की गति को देखते हुये शिक्षार्थी की आवश्यकता के अनुसार शिक्षण सामग्री तैयार कराना दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा क्षेत्र की एक बहुत बड़ी चुनौती है। आज 35 लाख से अधिक विद्यार्थी दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे है जो कि 11 प्रतिशत जनसंख्या कवर कर रहे हैं, लेकिन यह अभी सीमित दायरे में है इसे अभी हमको और अधिक आगे बढ़ाना है।

दूरस्थ व मुक्त शिक्षा एक सार्थक विकल्प –प्रो0 कामेश्वर

अध्यक्षीय उद्‌बोधन करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि 21वीं शताब्दी की इस दूसरी दहलीज के अन्तिम शिखर पर खड़ा मानव एक विचित्र संकट को झेल रहा है एक ओर जहां जनसंख्या विस्फोट है वहीं दूसरी ओर संसाधनों की कमी है। एक तरफ लोगों की बढ़ती हुई आकांक्षाएं हैं तो दूसरी ओर उच्च शिक्षा में नामांकन दर मात्र 25.3 प्रतिशत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2030 तक इसे 51 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है यह एक बड़ी चुनौती है। वर्तमान परम्परागत विश्वविद्यालय इस लक्ष्य को पूरा नही कर सकते ऐसे में निश्चय ही दूरस्थ व मुक्त शिक्षा निःसन्देह एक सार्थक विकल्प है। प्रो0 सिंह ने कहा कि इतने बड़े प्रदेश के हर जिले और गांव तक अभिगम्यता स्थापित करना हमारे लिये एक चुनौती है। हमें अपनी क्षमता दक्षता और कुशलता के आधार पर सीमित संसाधनों में ही अच्छा कार्य करके दिखाना होगा। हमारा लक्ष्य हर स्थिति में मानव संसाधन का परिपूर्णतम विकास करना है। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र और आवश्यकता के अनुसार पाठयक्रम निर्माण परिवर्तन और परिवर्द्धन दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा का एक सकारात्मक पक्ष है जो सतत शिक्षा के क्षेत्र में इसे उपयोगी बनाता है।

प्रयागराज, सोमवार, 3 जून, 2019

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

विराट के अंगूठे में लगी चोट - 13

जैसे को तैसा की नीति कारगर नहीं : उमर - 15

www.jansandeshtimes.net

शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो शिक्षण सामग्री : प्रो0 बंशगोपाल

दूरस्थ व मुक्त शिक्षा एक सार्थक विकल्प -प्रो0 कामेश्वर

मु.वि.वि. में दूरस्थ शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

प्रयागराज। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में रविवार को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ह्यमुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकताह्ल का समापन हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ ने कहा कि शिक्षार्थियों के ज्ञान को व्यावहारिक जीवन की आवश्यकताओं से जोड़े जाने की जरूरत है। इसके लिये सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से साहचर्य वाला पाठ्यक्रम शामिल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि परम्परागत शिक्षा संस्थानों पर आज बहुत दबाव है। इण्टरमीडिएट के बाद ड्रॉपआउट दर बहुत ज्यादा है, ऐसे शिक्षार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा माध्यम एक बड़ा कार्य कर रहा है। प्रो0 सिंह ने कहा कि आज जो नये विकास ज्ञान और कौशल के क्षेत्र में हो रहे हैं उनके शिक्षण और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना मुक्त विश्वविद्यालय के कार्य हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति से जुड़कर कामकाजी महिलायें, सेवानिवृत्त जिज्ञासु तथा नौकरी कर रहे लोग भी अपने ज्ञान का विकास का सकते हैं। समय की गति को देखते हुये शिक्षार्थी की आवश्यकता के अनुसार शिक्षण सामग्री तैयार कराना दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा क्षेत्र की एक बहुत बड़ी चुनौती है। आज 35 लाख से अधिक विद्यार्थी दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे है जो कि 11 प्रतिशत जनसंख्या कवर कर रहे हैं, लेकिन यह अभी सीमित दायरे में है इसे अभी हमको और अधिक आगे बढ़ाना है।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रोफेसर

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि 21वीं शताब्दी की इस दूसरी दहलीज के अन्तिम शिखर पर खड़ा मानव एक विचित्र संकट को झेल रहा है एक ओर जहां जनसंख्या विस्फोट है वहीं दूसरी ओर संसाधनों की कमी है। एक तरफ लोगों की बढ़ती हुई आकांक्षाएं हैं तो दूसरी ओर उच्च शिक्षा में नामांकन दर मात्र 25.3 प्रतिशत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2030 तक इसे 51 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है यह एक बड़ी चुनौती है। वर्तमान परम्परागत विश्वविद्यालय इस लक्ष्य को पूरा नही कर सकते ऐसे में निश्चय ही दूरस्थ व मुक्त शिक्षा निःसन्देह एक सार्थक विकल्प है। प्रो0 सिंह ने कहा कि इतने बड़े प्रदेश के हर जिले और गांव तक अभिगम्यता स्थापित करना हमारे लिये एक चुनौती है। हमें अपनी क्षमता दक्षता और कुशलता के आधार पर सीमित संसाधनों में ही अच्छा कार्य करके दिखाना होगा। हमारा लक्ष्य हर स्थिति में मानव संसाधन का परिपूर्णतम विकास करना है। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र और आवश्यकता के अनुसार पाठयक्रम निर्माण परिवर्तन और परिवर्द्धन दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा का एक सकारात्मक पक्ष है जो सतत शिक्षा के क्षेत्र में इसे उपयोगी बनाता है। इससे पूर्व डॉ0 नीता मिश्रा ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पर रिपोर्ट प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने किया।

संचालन डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, प्रो0 धनन्जय यादव, प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, डॉ0 आर0बी0 सिंह, प्रो0 नागेन्द्र यादव आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth
amarujala.com
प्रयागराज | रविवार, 2 जून 2019

ज्ञान प्राप्ति के लिए एकाग्रता जरूरी

मुक्त विश्वविद्यालय में हुए सेमिनार में बोले न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में शनिवार को आयोजित सेमिनार में सीडी का लोकार्पण किया गया।

प्रयागराज। ज्ञान प्राप्ति के लिए शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना जरूरी है। साथ ही लौकिक शिक्षा के साथ पारलौकिक शिक्षा का समावेश शिक्षा में बहुत जरूरी है। इसी से सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पूरा किया जाना संभव है। यह बात न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन पर कही। उन्होंने ई-सोविनियर का विमोचन भी किया।

'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर आयोजित सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव कहा कि दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी संपर्क कक्षाओं के माध्यम से अपने विषय के ज्ञान में वृद्धि कर सकता है। मुख्य वक्ता विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री शिव कुमार ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में आज शिक्षा किनीकी के विवेकपूर्ण प्रयोग की आवश्यकता है। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर ने कहा कि आज के जीवन में सिद्धांत का स्थान स्वार्थ और आदर्श का स्थान अवसर लेते जा रहे हैं। सारस्वत अतिथि प्रो. कौशल किशोर शर्मा ने कहा कि स्कूली शिक्षा की नींव हमारे यहां बहुत कमजोर है और इसे मजबूत बनाने की जरूरत है। संगोष्ठी का संचालन डॉ. मीरा पाल ने किया।

1991-2018 28वर्ष रजत जयंती वर्ष
प्रयागराज, वर्ष 28
अंक 270 रविवार
02 जून, 2019
पृष्ठ 12 ₹4.00
राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित
www.swatantrachetnanews.com
गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

शिक्षा में पारलौकिक शिक्षा का समावेश जरूरी- न्यायमूर्ति यादव

प्रयागराज। मुविविमें दूरस्थ शिक्षा परराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन आज लौकिक शिक्षा के साथ साथ पारलौकिक शिक्षा का समावेश शिक्षा में बहुत जरूरी है। इसी से सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पूरा किया जाना संभव है। ज्ञान प्राप्ति के लिये शिक्षार्थी में एकाग्रता का होना आवश्यक है। उक्त उद्गार न्यायमूर्ति सखाराम सिंह यादव ने उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थी सम्पर्क कक्षाओं के माध्यम से अपने विषय के ज्ञान में वर्षद्धि कर सकता है। उन्होंने शिक्षा के पाठ्यक्रम में 'ध्यान' को व्यक्तित्व विकास एवं मन की शान्ति के लिए जरूरी बताया। न्यायमूर्ति यादव ने कहा कि अगर अपने को जानना है तो पराविद्या का आश्रय लेना होगा। सर्वांगीण विकास के लिये ज्ञान के साथ-साथ मनुष्य का आध्यात्मिक विकास भी होना चाहिये।

शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में शनिवार को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर व्याख्यान देते हुये मुख्यवक्ता श्री शिव कुमार, अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती, नई दिल्ली ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में जहां शिक्षार्थी का शिक्षक से नियमित सम्पर्क बहुत कम होता है वहां किसी भी प्रकार की बाधा को दूर करने के लिये विशिष्ट शैली में निर्मित पाठ्यसामग्री और परामर्श सत्रों की उपयोगिता बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में आज शिक्षा तकनीकी के विवेकपूर्ण प्रयोग की आवश्यकता है। शिक्षा में नैतिकता और मूल्य चिंतन का समावेश मानव संसाधन विकास के लिये अपरिहार्य है। उन्होने दूरस्थ शिक्षा के चार सुविचारित आयामों विद्यार्थी, विशयवस्तु, पद्धति एवं शिक्षक पर ध्यान केन्द्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने भगिनी निवेदिता के शैक्षिक विचारों के आलोक में यह प्रतिपादित किया कि शिक्षा लौकिक व्यवहार और शिष्टाचार भी सिखाती है और परम विमुक्ति की ओर ले जाने का साधन भी बनाती है।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आज के जीवन में सिद्धान्त का स्थान स्वार्थ और आदर्श का स्थान अवसर लेते जा रहे हैं ऐसे में शिक्षा का अंतिम उददेश्य शिक्षार्थी का सर्वांगीण विकास करना है जो शिक्षा के सभी आयामों की सम्पूर्णता से ही संभव है। प्रो0 सिंह ने कहा कि भारत प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता वाला देश है। सारस्वत अतिथि प्रो0 कौशल किशोर शर्मा, आचार्य, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली व सदस्य सचिव, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने कहा कि स्कूली शिक्षा की नींव हमारे यहां बहुत कमजोर है जिसे मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। इसे प्राथमिक और माध्यमिक स्तर से ही सही करने की आवश्यकता है। दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा में अनेक संभावनाएं हैं और साथ-2 अनेक चुनौतियां भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वस्तुतः एक अनवरत प्रक्रिया है जो सतत गतिमान रहती है। सतत विकास की अवधारणा अत्यन्त मूल्यवान है। प्रो0 शर्मा ने कहा कि आज भारतवर्ष में हर व्यक्ति का सतत विकास की ओर बढ़ना जरूरी है। इसी से उसका चतुर्मुखी विकास और उसके स्वाभिमान की रक्षा हो सकती है। उन्होंने द्रोणाचार्य और एकलव्य का उदाहरण देते हुये बताया कि भारत में प्राचीन काल से शिक्षा के अनेक ऐसे रूप प्रचलित रहे है जिन्होंने वंचित वर्गों को भी अपने परिपूर्ण विकास के योग्य बनाया है।दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन डॉ0 मीरा पाल ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने एवं विषय प्रवर्तन आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति यादव एवं अन्य अतिथियों ने इस अवसर पर ई-सोविनियर का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रो0 ओम जी गुप्ता, प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्त, प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी, डा0 टी0एन0 दुबे, प्रो0 एस0पी0 गुप्ता, प्रो0 धनंजय यादव, डॉ0 आर0बी0 सिंह, डॉ0 रेखा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे। विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

सेमिनार का समापन रविवार को अपरान्ह 3 बजे होगा। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो.वंश गोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, विलासपुर होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

1991-2018 28वां रजत जयंती वर्ष

प्रयागराज, वर्ष 28 अंक 271 सोमवार 03 जून, 2019 पृष्ठ 12 ₹4.00

www.swatantrachetnanews.com

गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, रामपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो शिक्षण सामग्री- प्रो. बंशगोपाल

प्रयागराज.। शिक्षार्थियों के ज्ञान को व्यावहारिक जीवन की आवश्यकताओं से जोड़े जाने की जरूरत है। इसके लिये सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से साहचर्य वाला पाठ्यक्रम शामिल करने की आवश्यकता है। यह बातें मुख्य अतिथि प्रो. बंशगोपाल सिंह, कुलपति, पं.सुन्दर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ ने रविवार को उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विवि, प्रयागराज के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा अनुदानित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' के समापन अवसर पर कही। उन्होंने आगे कहा कि परम्परागत शिक्षा संस्थानों पर आज बहुत दबाव है। इण्टर के बाद ड्रॉपआउट दर बहुत ज्यादा है, ऐसे शिक्षार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा माध्यम एक बड़ा कार्य कर रहा है। आज जो नये विकास ज्ञान और कौशल के क्षेत्र में हो रहे हैं उनके शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना मुक्त विवि के कार्य है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति से जुड़कर कामकाजी महिलायें, सेवानिवृत्त जिज्ञासु तथा नौकरी कर रहे लोग भी अपने ज्ञान का विकास कर सकते हैं। आज 35 लाख से अधिक विद्यार्थी दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि 21वीं शताब्दी की इस दूसरी दहलीज के अन्तिम सिरे पर खड़ा मानव एक विचित्र संकट झेल रहा है। एक ओर जहां जनसंख्या विस्फोट है वहीं दूसरी ओर संसाधनों की कमी है। एक तरफ लोगों की बढ़ती हुई आकांक्षाएं हैं तो दूसरी ओर उच्च शिक्षा में नामांकन दर मात्र 25.8 प्रतिशत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2030 तक इसे 51 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है, यह एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े प्रदेश के हर जिले और गांव तक अभिगम्यता स्थापित करना हमारे लिये एक चुनौती है। हमें अपनी क्षमता, दक्षता और कुशलता के आधार पर सीमित संसाधनों में ही अच्छा कार्य करके दिखाना होगा। हमारा लक्ष्य हर स्थिति में मानव संसाधन का परिपूर्णतम विकास करना है। इससे पूर्व डॉ. नीता मिश्रा ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पर रिपोर्ट प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के संयोजक प्रो. पीके पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ.अरुण कुमार गुप्त ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो. एसपी गुप्ता, प्रो. धनंजय यादव, प्रो. पीपी दुबे, प्रो.पीके पाण्डेय, डॉ.आरती सिंह, प्रो.नागेन्द्र यादव आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

अमर उजाला

03-06-2019

न्यूज डायरी

ज्ञान को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने की जरूरत

प्रयागराज। शिक्षार्थियों के ज्ञान को व्यावहारिक जीवन की आवश्यकताओं से जोड़ने की जरूरत है। इसके लिए सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के अतिरिक्त जीवन की वास्तविक परिस्थितियों से साहचर्य वाला पाठ्यक्रम शामिल करने की आवश्यकता है। यह बात पंडित सुंदर लाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. बंश गोपाल सिंह ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी के समापन पर कही। 'मुक्त एवं दूरस्थ अधिगमः मुद्दे, चुनौतियां एवं उत्पादकता' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा से जुड़कर कामकाजी महिलाएं, सेवानिवृत्त लोग और नौकरी करने वाले भी अपने ज्ञान का विकास कर सकते हैं। आज 35 लाख से अधिक विद्यार्थी दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अध्यक्षता करते हुए राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा निश्चित रूप से एक सार्थक विकल्प है। इससे पूर्व डॉ. नीता मिश्रा ने संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। स्वागत प्रो. पीके पांडेय, संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरुण कुमार गुप्त ने किया। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो. एसपी गुप्ता, प्रो. धनंजय यादव, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. पीके पांडेय, डॉ. आरती सिंह, प्रो. नगेंद्र यादव ने अपने विचार व्यक्त किए।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

04 जून, 2019

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रारम्भ

मा0 कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षायें दिनांक 04 जून, 2019 को प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हुई। 70 हजार परीक्षार्थी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा दे रहे हैं। आज पहले दिन कोई भी परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करते हुये नहीं पकड़ा गया। परीक्षायें दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचितपूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। भीषण गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल एवं प्रकाश की व्यवस्था की गयी है।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सी0यू0जी0 मोबाइल से परीक्षार्थियों की समस्याओं के निस्तारण में सहयोग प्रदान करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर सभी जगह शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षायें प्रारम्भ हुई। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। परीक्षायें 20 जुलाई 2019 को समाप्त होंगी।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

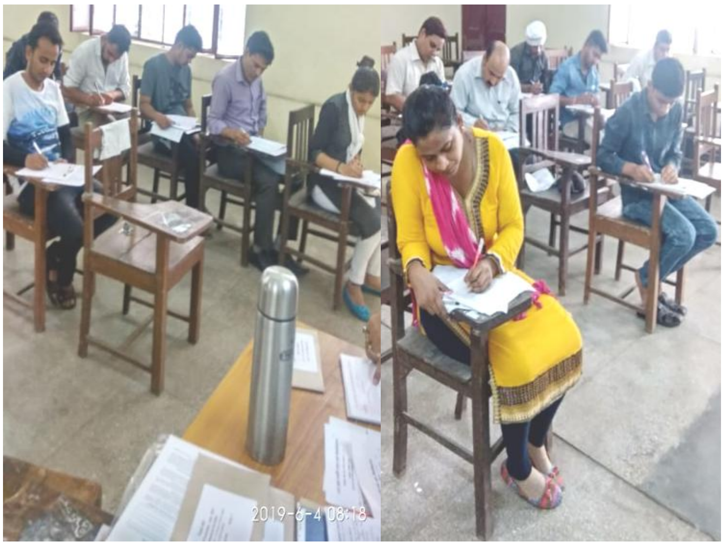

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '.019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र '.024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

रमा जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '.1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

जे.वी.जैन. कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र '.039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

धर्म समाज कालेज, अलीगढ (परीक्षा केन्द्र '.001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र '.1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '.633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र '.053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

झामबाबा महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर (परीक्षा केन्द्र '.198) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज, बस्ती (परीक्षा केन्द्र '.025) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

बी. एन. यस. गर्ल्स डिग्री कालेज जनौरा, फैजाबाद, अयोध्या

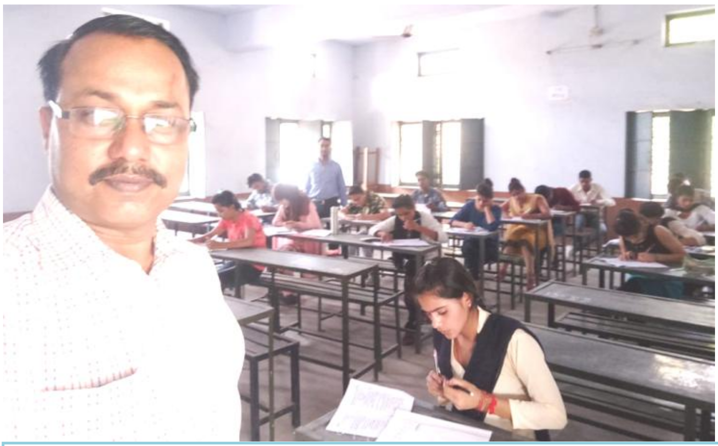

नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर (परीक्षा केन्द्र `.538) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र `.223) पर परीक्षा देते हुए

श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय, लखनऊ (परीक्षा केन्द्र `.263) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा (परीक्षा केन्द्र '.090) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें आज से

ललितपुर: राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के समस्त केन्द्रों पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय पनारी, दीपचन्द्र चौधरी महाविद्यालय, सुदर्शन डिग्री कॉलिज बाँसी, पीएन शर्मा महाविद्यालय सैदपुर एवं रानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय बुढ़वार के अभ्यर्थियों की परीक्षा नेहरू महाविद्यालय परीक्षा केन्द्र पर 4 जून से सुबह 8 से 11 एवं अपराह्न 2 से शाम 5 तक होगी। यह जानकारी देते हुये केन्द्र समन्वयक/प्राचार्य डॉ. अवधेश अग्रवाल ने बताया कि छात्र/छात्रायें वेबसाइड से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने छात्र/छात्राओं से जूता-मौजे, मोबाइल, इलैक्ट्रॉनिक डिवाइस आदि न लाने की अपील की है।

विविध गतिविधियां

यूपीटीआरओयू की परीक्षाएं आज से

जासं, नोएडा : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीटीआरओयू) की सत्र 2019-20 की परीक्षाएं आज से शुरू हो रही हैं। इसके लिए तीन जगह पर परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। विवि की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि नोएडा कार्यालय के तहत पांच जिले आते हैं। इनमें से अलीगढ़, मोदीनगर और डासना में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। गौतमबुद्ध नगर के शिक्षा केंद्रों में पढ़ने वाले छात्रों का परीक्षा केंद्र डासना के सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में बनाया गया है। वहीं, अन्य जिलों के छात्रों के लिए अलीगढ़ के धर्म समाज महाविद्यालय और मोदीनगर के मुल्तानीमल मोदी परास्नातक महाविद्यालय में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह आठ से 10 बजे तक आयोजित होगी। दूसरी पाली का आयोजन दो से पांच बजे तक किया जाएगा। छात्र विवि की वेबसाइट 222.uprtou.ac.in पर जाकर अपने प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

खास खबरें

यूपीआरटीओयू की परीक्षा आज से

एनबीटी न्यूज, नोएडा : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) की सत्र 2019-20 की परीक्षाएं आज से शुरू हो रही हैं। विवि की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि नोएडा कार्यालय के तहत 5 जिले आते हैं। इनमें से अलीगढ़, मोदीनगर और डासना में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। गौतमबुद्ध नगर के शिक्षा केंद्रों में पढ़ने वाले छात्रों का परीक्षा केंद्र डासना के सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में बनाया गया है। अन्य जिलों के छात्रों के लिए अलीगढ़ के धर्म समाज महाविद्यालय और मोदीनगर के मुल्तानीमल मोदी परास्नातक महाविद्यालय में परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

यूपीआरटीओयू की परीक्षाएं आज से

नोएडा। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) की सत्र 2019-20 की परीक्षाएं आज से शुरू हो रही हैं। क्षेत्रीय निदेशिका डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि विवि के क्षेत्रीय केंद्र नोएडा के अंतर्गत तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। एस-20 सेक्टर-39 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, एस-1170 सेक्टर-62 प्रेरणा जन संचार और शोध संस्थान, एस-1607 नोएडा, एस-1445 धूम, दादरी, एस-1206 के सभी स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट कार्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों का परीक्षा केंद्र एस-633 सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज डासना को बनाया गया है। ब्यूरो

संकेतः आईटीआर भरने की समयसीमा बढ़ेगी पेज 18 | एक लाख में 85 बच्चे नहीं देख पाते पांचवां जन्मदिन पेज 22

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
ईद मुबारक
बुधवार, 05 जून 2019, प्रयागराज
www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान
42.8° अधिकतम 29.0° न्यूनतम सूर्योदय 05:12 सूर्यास्त 06:51
प्रयागराज

मुविवि के कुलपति ने केंद्र का किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं मंगलवार को प्रदेश के 139 परीक्षा केंद्रों में हुई। 70 हजार परीक्षार्थियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों में परीक्षा दी। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सीयूजी मोबाइल से परीक्षार्थियों की समस्याओं के निस्तारण करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज के परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षाएं हुई। 20 जुलाई को परीक्षाएं समाप्त होंगी।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू

● कुलपति प्रो. के एन सिंह ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की सत्र जून 2019 की परीक्षाएं मंगलवार को प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हो गयीं। 70 हजार परीक्षार्थी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा दे रहे हैं। आज पहले दिन कोई भी परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करते हुये नहीं पकड़ा गया।

परीक्षायें दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल एवं प्रकाश की व्यवस्था की गयी है।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सीयूजी मोबाइल से परीक्षार्थियों की समस्याओं के निस्तारण में सहयोग प्रदान करें। परीक्षा नियंत्रक डा. गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर सभी जगह शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षायें प्रारम्भ हुई।

केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। परीक्षाएं 20 जुलाई को समाप्त होंगी।

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स प्रयागराज, बुधवार, 5 जून, 2019

प्रयागराज

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रारम्भ

प्रयागराज। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून- 2019 की परीक्षायें मंगलवार को प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हुई। 70 हजार परीक्षार्थी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा दे रहे हैं। आज पहले दिन कोई भी परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करते हुये नहीं पकड़ा गया। परीक्षायें दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचितपूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। भीषण गर्मी को देखते हुए सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल एवं प्रकाश की व्यवस्था की गयी है।

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते कुलपति

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने आज विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सी0यू0जी0 मोबाइल से परीक्षार्थियों की समस्याओं के निस्तारण में सहयोग प्रदान करें। परीक्षा नियंत्रक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर सभी जगह शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षायें प्रारम्भ हुई। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। परीक्षायें 20 जुलाई 2019 को समाप्त होंगी।

मुक्त चिंतन News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

05 जून, 2019

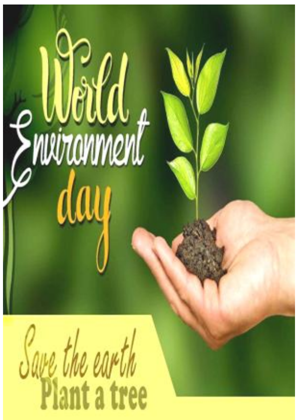

वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह

कुलपति ने किया मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षारोपण

दिनांक 05 जून, 2019 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह ने विश्वविद्यालय पविार के सदस्यों के साथ वृक्षारोपण किया।

कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए हमें जल जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। शहरीकरण की वजह से जंगल समाप्त हो रहे हैं जिससे पर्यावरण की अपार क्षति हो रही है। आज आवश्यकता है कि हर भारतवासी एक वृक्ष जरूर लगाये। पेड बचे रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। वनस्पतियां हमारी धरोहर रही हैं। भारत प्राचीन काल से विविधताओं से भरा रहा है। हमारे यहां जहां नदियों की पूजा होती है वहीं वनों को भी देवतुल्य समझकर पूजा जाता है। उन्होंने परिसर को हरा भरा रखने के लिये इस कार्य में लगे मालियों की सराहना की। कहा कि प्रत्येक कर्मचारी का यह दायित्व बनता है कि वे पेड़ पौधों को सूखने न दें। उन्होंने हरित परिसर के संकल्प को साकार करने का आहवान किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह ने कुलपति प्रो0 सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह का स्वागत किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में डॉ0 सुनीता सिंह डॉ0 अभिषेक सिंह, डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में विश्वविद्यालय पविार के सदस्यों के साथ वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में विश्वविद्यालय पविार के सदस्यों के साथ वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
इलाहाबाद, गुरुवार, 6 जून 2019

सौरव ने धोनी को कंप्यूटर से भी तेज बताया - 13

सभी धर्मों का सम्मान करने वाला होता है धार्मिक : नीतीश - 15

वृक्ष रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना साकार होगी : कुलपति

प्रयागराज। पर्यावरण संरक्षित करने के लिए हमें जल, जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। शहरीकरण की वजह से जंगल समाप्त हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण की अपार क्षति हो रही है। आज आवश्यकता है कि हर भारतवासी एक पौधा जरूर लगायें। पेड़ बचे रहेंगे, तभी मानवीय जीवन की संकल्पना को साकार किया जा सकता है।

यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुनीता सिंह ने पौधरोपण के उपरान्त कही। उन्होंने कहा कि वनस्पतियां हमारी धरोहर रही है। भारत प्राचीन काल से विविधताओं से भरा रहा है। हमारे यहां जहां नदियों की पूजा होती है वहीं वनों को भी देवतुल्य समझकर पूजा जाता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह ने कुलपति प्रो. सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुनीता सिंह का स्वागत किया। पौधरोपण कार्यक्रम में डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।

वृक्षारोपण करते कुलपति व उनकी पत्नी

अमर उजाला
प्रयागराज
बृहस्पतिवार, 6 जून 2019

इविवि वीसी प्रो. हांगलू और मुविवि वीसी प्रो. केएन सिंह ने पौधरोपण किया।

शिक्षकों ने लगाए पौधे, लिया संरक्षण का संकल्प

प्रयागराज। पर्यावरण दिवस पर इविवि, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय समेत कई शिक्षण संस्थानों में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

इविवि परिसर में आयोजित पौरोपण कार्यक्रम में कुलपति प्रो. रतन लाल हांगलू ने कहा कि यह पर्यावरण हमारा है और इसे बचाना हमारी जिम्मेदारी है। कुलपति आवास में भी नीम और अशोक के कई पौधे लगाए गए। इस मौके पर रजिस्ट्रार प्रो. एनके सिंह, वित्त अधिकारी डॉ. सुनील कांत मिश्र, ऑक्टा अध्यक्ष डॉ. उमेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे। उधर, इविवि के भूगोल विभाग में संगोष्ठी और पौधरोपण हुआ। इस मौके पर डॉ. प्रदीप कुमार उपाध्याय, डॉ. अजय कुमार शर्मा, हेमंत कुमार सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

वहीं मुविवि में पर्यावरण दिवस पर पौधेरोपण अभियान चलाया गया। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए हमे जल, जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। इस मौके पर कुलपति की पत्नी डॉ. सुनीता सिंह समेत डॉ. अभिषक सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया, डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे। उधर, कुलभास्कर आश्रम पीजी कालेज में शिक्षक डॉ. आरए अवस्थी के नेतृत्व में पौधरोण हुआ।

आज
महानगर
प्रयागराज, गुरुवार, ६ जून, २०१९

पेड़ बचे रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना होगी साकार - कुलपति

पर्यावरण संरक्षित करने के लिए हमें जल, जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। शहरीकरण की वजह से जंगल समाप्त हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण की अपार क्षति हो रही है। आज आवश्यकता है कि हर भारतवासी एक वृक्ष जरूर लगाये। पेड़ बचे रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डा. सुनीता सिंह ने वृक्षारोपण के उपरान्त कही। उन्होंने कहा कि वनस्पतियां हमारी धरोहर रही हैं। भारत प्राचीन काल से विविधताओं से भरा रहा है। हमारे यहां जहां नदियों की पूजा होती है वहीं वनों को भी देवतुल्य समझकर पूजा जाता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डा. अभिषेक सिंह ने कुलपति प्रो. सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ. सुनीता सिंह का स्वागत किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में डॉ. सुनीता सिंह डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।

मुक्त चिंतन

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

06 जून, 2019

योजना बोर्ड की 32वीं बैठक

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की योजना बोर्ड की 32वीं बैठक दिनांक 06 जून, 2019 को अपराह्न 12:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रो0 योगेन्द्र सिंह, कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर, विश्वविद्यालय, बलिया, प्रो0 एस.के. सिंह, पूर्व कुलपति, म.प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल, श्री अम्बुज गुप्ता, स्वास्तिक बिल्डर्स प्रा. लि., वाराणसी, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 मुकेश कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

योजना बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति जी एवं उपस्थित मा0सदस्यगण।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

07 जून, 2019

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति जी ने किया सरस्वती परिसर में परीक्षाओं का निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया एवं व्यवस्था से संतुष्ट दिखे।

आज बी0ए0, एम0ए0, एम0काम0, एम0एस0सी0, एम0सी0ए0, बी0बी0ए0, पत्रकारिता प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय एवं डॉ0 विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

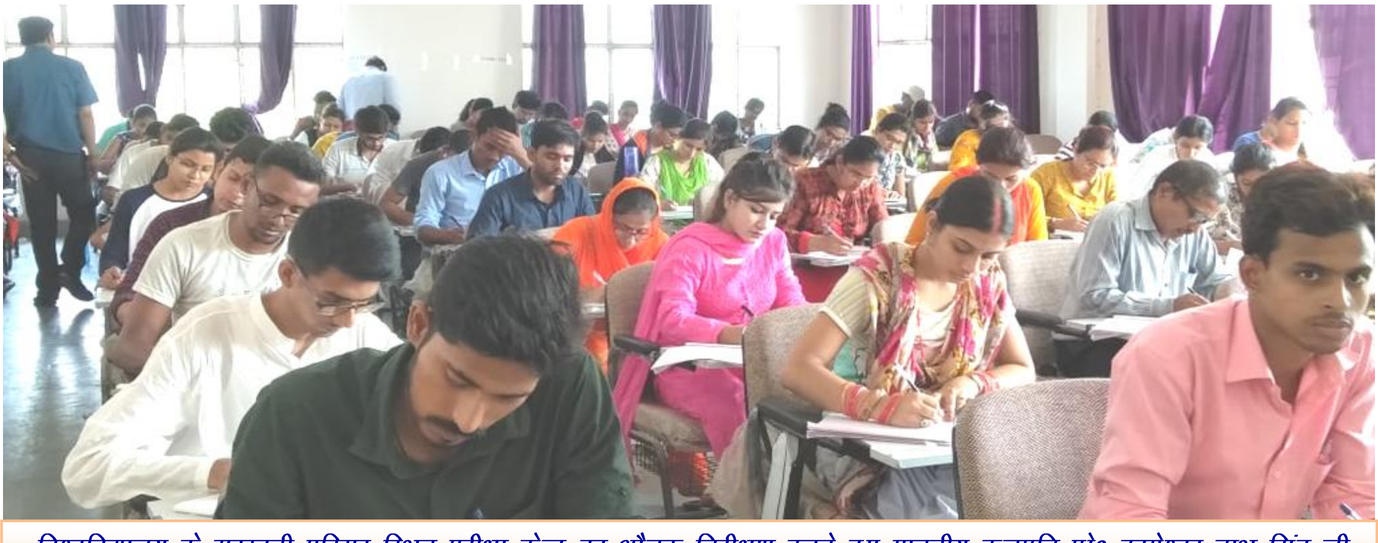

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ
(परीक्षा केन्द्र '.019)
पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '.633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र `.1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र `.053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

S-229

S-1077

S-001

ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर (परीक्षा केन्द्र `.229), जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र `.1077) एवं धर्म समाज कालेज, अलीगढ (परीक्षा केन्द्र `.001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

वर्ल्ड कप के मौसम में धोनी बनाम आईसीसी -13

व्यापार विवाद पर ट्रम्प की चीन को नई धौंस - 15

कुलपति ने किया सरस्वती परिसर में परीक्षाओं का निरीक्षण

निरीक्षण करते कुलपति

प्रयागराज। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून- 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया एवं व्यवस्था से संतुष्ट दिखे।

शुक्रवार को बी0ए0, एम0ए0, एम0काम0, एम0एस0सी0, एम0सी0ए0, बी0बी0ए0, पत्रकारिता प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय एवं डॉ0 विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

www.anandimail.in

आनंदी मेल

वर्ष-10 अंक- 266 (हिन्दी दैनिक) लखनऊ, शनिवार, 8 जून 2019 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2 रूपए

फर्जी नाम, पते से कूटरचित शिकायत पर एफआईआर दर्ज ....2 प्रचंड गर्मी और बढ़ता जल संकट ....4 गर्मी में बच्चों के लिए बनाएं गोला चुस्की आईसक्रीम ...7

कुलपति ने किया सरस्वती परिसर में परीक्षाओं का निरीक्षण

प्रयागराज । उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, जून- 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया एवं व्यवस्था से संतुष्ट दिखे। आज बी0ए0, एम0ए0, एम0काम0, एम0एस0सी0, एम0सी0ए0, बी0बी0ए0, पत्रकारिता प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय एवं डॉ0 विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

08 जून, 2019

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0 सदस्यगण।

विद्या परिषद् की 59वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 59वीं बैठक दिनांक 08 जून, 2019 को अपराह्न 12:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, माननीय कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में डॉ0 एस.पी. सिंह, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 बी0एन0 सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

विद्या परिषद् की 59वीं बैठक

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित मा0 सदस्यगण।

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

दिनांक 08 जून, 2019

जे0बी0 जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र `.039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र `.1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र `.019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरैया सया, अम्बेडकरनगर (परीक्षा केन्द्र `.229) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र '.1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र '.053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

दिगम्बर जैन कालेज, बड़ौत, बागपत (परीक्षा केन्द्र '.063) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर (परीक्षा केन्द्र '.079) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र '.010) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र '.053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '.223) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

दिगम्बर जैन कालेज, बड़ौत, बागपत (परीक्षा केन्द्र '.063) एवं धर्म समाज कालेज, अलीगढ (परीक्षा केन्द्र '.001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर (परीक्षा केन्द्र ॅ.538) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र ॅ.1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र ॅ.019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

11 जून, 2019

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने दिनांक 11 जून, 2019 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया एवं व्यवस्था से संतुष्ट दिखे।

प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '.1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र `.633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

र्ध्म समाज कालेज, अलीगढ (परीक्षा केन्द्र `.001) एवं मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र `.053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

प्रयागराज, मंगलवार
11 जून 2019
नगर संस्करण
पृष्ठ 16
www.jagran.com

दैनिक जागरण

जांच में बेदाग निकला जॉनसन एंड जॉनसन बेबी शैंपू 15
काम कर रही विराट की रणनीति 16

राजनीतिक वजूद के लिए त्रिभाषा पर हंगामा

विविधताओं के बावजूद भारत एक है, देश भर में करीब 1500 भाषाएं बोली जाती हैं, प्रकृति की देन है भाषा

गुरुदीप त्रिपाठी, प्रयागराज

यदि राज्यों का गठन भाषा के आधार पर नहीं कर भौगोलिक विविधता के आधार पर किया गया होता तो त्रिभाषा फार्मूले पर हंगामा नहीं होता। आज भी केवल थोड़ा बहुत शोर शराबा तमिलनाडु में ही रहा है तो इसकी वजह है राजनीतिक वजूद बनाए रखने की जुगत। देखिएगा कि अंत में यही फार्मूला ही सर्वमान्य होगा। आने वाले समय में इसे लेकर सारी संकीर्णता खत्म हो जाएंगी। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति और जाने माने भूगोलविद प्रो. केएन सिंह ने सोमवार को दैनिक जागरण कार्यालय में संपादकीय सहयोगियों के साथ पाक्षिक अकादमिक बैठक में कहीं। इस बार चर्चा का एजेंडा था :- त्रिभाषा फॉर्मूले पर हंगामे का औचित्य।

देश की प्रकृति में ही त्रिभाषा

अतिथि वक्ता ने कहा कि भारत की प्रकृति में ही त्रिभाषा है। हम अपनी मातृभाषा में सोचते हैं, कामकाज की भाषा में बोलते और लिखते हैं। विविधता में भी एकता है। भाषा तो प्रकृति की देन है। हमारे यहां करीब 1500 भाषाएं बोली जाती हैं। इतने बड़े देश में संवाद के लिए भाषा का महत्व अधिक है। दरअसल इससे ही एक-दूसरे से संपर्क और बेहतर संवाद स्थापित होता है। बेहतर संवाद स्थापित करने का भाषा ही सशक्त माध्यम है। ऐसे में त्रिभाषा फार्मूले पर हंगामे का कोई औचित्य नहीं बनता। वर्ष 2011 के जनगणना का हवाला देते हुए प्रो. सिंह ने कहा कि देश में 50 करोड़ लोग हिंदीभाषी हैं और 10 करोड़ लोग उसे आसानी से समझते भी हैं। बाकी राज्यों में भी लोग इस भाषा को समझते हैं इसलिए अन्य राज्यों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आ रही है।

जागरण विमर्श

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने रखे विचार
- दैनिक जागरण कार्यालय में त्रिभाषा फॉर्मूले पर हंगामे का औचित्य विषय पर परिचर्चा

अतिथि परिचय

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय।

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह मूलरूप से बलिया के बर्रेबोझ गांव निवासी हैं। प्रारंभिक शिक्षा बलिया से ग्रहण की। गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक-परास्नातक की उपाधि ली और वहीं से शोध किया। 1982 में डॉड फेलोशिप के तहत एक वर्ष जर्मनी में रहे। गोरखपुर विश्वविद्यालय, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय और इग्नू के कार्यपरिषद सदस्य के रूप में भी सेवाएं दी। उन्होंने 14 पुस्तकें लिखी हैं। इसके अलावा उनके 60 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। पुणे की डेक्कन एसोसिएशन ऑफ ज्योग्राफर ने वर्ष 2014 में उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में सम्मानित किया है। प्रो. सिंह रूरल डवलेपमेंट गोरखपुर एंड एसोसिएशन ऑफ नार्थ इंडियन ग्राफिक जियोग्राफर्स के महासचिव भी हैं।

अभी केवल मांगी जा रही है राय

अतिथि वक्ता ने शिक्षा के क्षेत्र में त्रिभाषा सूत्र का इतिहास भी साझा किया। बताया कि भारत में भाषा-शिक्षण से संबंधित नीति है। 1968 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का त्रिभाषा फार्मूले की भावना यह है कि अपनी मातृभाषा, कामकाज की भाषा हिंदी और अंग्रेजी का ज्ञान हो। प्रो. कस्तूरीरंगन समिति ने भी जो मसौदा तय किया है, उसकी मूल भावना भी यही है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश एक सूत्र में बंधे। विदेशों में तो लोग तीन-तीन चार-चार भाषाएं जानते हैं। भाषा पर हंगामे का कोई औचित्य इसलिए भी नहीं बनता, क्योंकि अभी तो इस विषय पर रायशुमारी भर की जा रही है।

किसी पर कोई भाषा अथवा संस्कृति थोपी नहीं जा सकती। मौजूदा सरकार इस मामले में अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए संबंधित मंत्रालय की तरफ से साफ कर दिया गया है कि सभी पक्ष अपनी राय दें। हिंदी भाषी राज्यों के लोग भी शांत हैं। उन्हें शांत ही रहना चाहिए। वह स्वतः अपना स्थान बना लेगी। खुशी की बात यह है कि अब साठ के दशक जैसा विरोध नहीं दिख रहा है।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

12 जून, 2019

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्रा जून– 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। भीषण गर्मी को देखते माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्राा में शीतल जल की व्यवस्था कराने की सभी को निर्देशित किया।केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '.019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

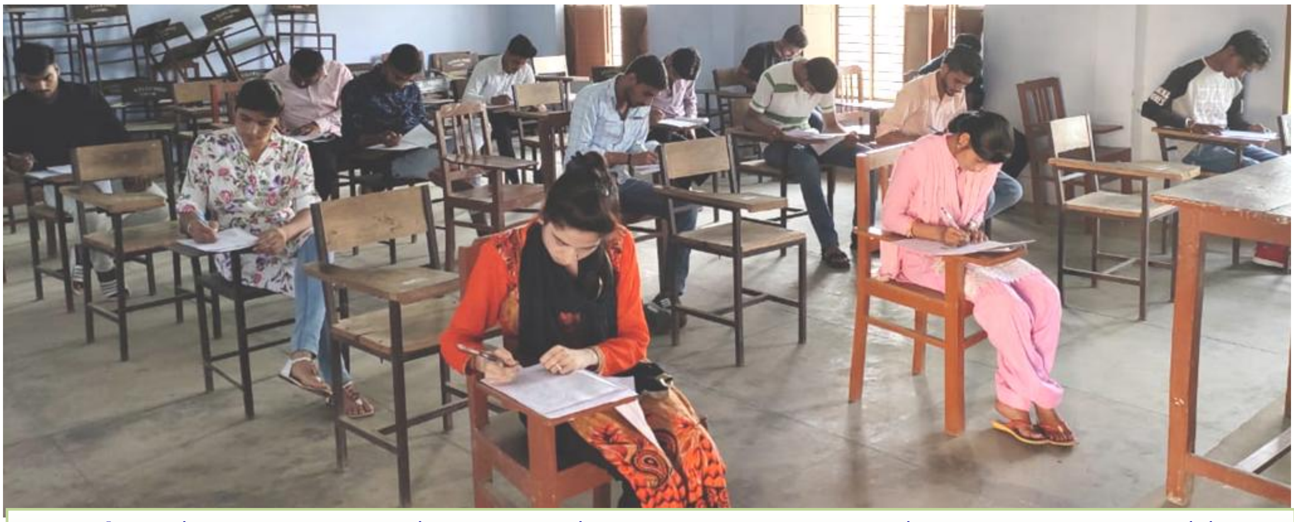

महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र '.1044) पर परीक्षा देते हुए

दिगम्बर जैन कालेज, बड़ौत, बागपत (परीक्षा केन्द्र '.063) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '.1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

जे0बी0 जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र '.039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

विकमाजीत सिंह सनातन धर्म कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र '.011) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र `.223) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

काइस्ट चर्च कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र `.010) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र `.633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

धर्म समाज कालेज, अलीगढ (परीक्षा केन्द्र `.001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर (परीक्षा केन्द्र `.538) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

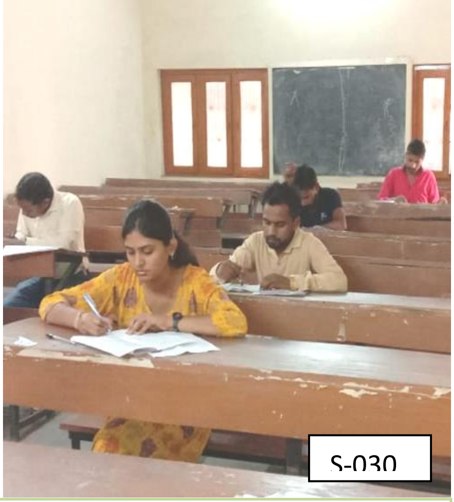

वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा (परीक्षा केन्द्र `.090), हिन्दु कालेज, मुरादाबाद (परीक्षा केन्द्र `.030) एवं
बिपिन बिहारी पी.जी. कालेज, झाँसी (परीक्षा केन्द्र `.041) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर (परीक्षा केन्द्र '.079) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

टी.डी. काजेज, जौनपुर (परीक्षा केन्द्र '.036) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र '.024) एवं राजेन्द्र प्रसाद डिग्री कालेज, मीरगंज बरेली (परीक्षा केन्द्र '.091) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुक्त चिंतन News Letter
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ
13 जून, 2019

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षायें मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने दिनांक 13 जून, 2019 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था करायी एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया।

आज बी.बी0ए0, बी0सी0ए0, एम0एस0सी0 पत्रकारिता, बी0ए0, एम0ए0, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर ओमजी गुप्ता, प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी एवं डॉ0 विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाकादलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

विश्वविद्यालय
के
सरस्वती परिसर स्थित
परीक्षा केन्द्र
का
औचक निरीक्षण
करते हुए
माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

काइस्ट चर्च कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र '.010) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '.019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

टी.डी. काजेज, जौनपुर (परीक्षा केन्द्र '.036) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

हिन्दु कालेज, मुरादाबाद (परीक्षा केन्द्र '. 030) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

जे0बी0 जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र `.039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र `.1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

धर्म समाज कालेज, अलीगढ (परीक्षा केन्द्र `.001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर (परीक्षा केन्द्र `.079) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

भारतीय महाविद्यालय, फर्रुखाबाद (परीक्षा केन्द्र '.012) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '.223) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '.633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र ˋ.024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

S-090

S-1077

वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा (परीक्षा केन्द्र ˋ.090) एवं
रमा जैन कन्या महाविद्यालय, निजीबाबाद, बिजनौर पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

नेहरू महाविद्यालय, ललितपुर (परीक्षा केन्द्र ˋ.538) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राजेन्द्र प्रसाद डिग्री कालेज, मीरगंज बरेली (परीक्षा केन्द्र ˋ.091) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 75 प्रयागराज, शुक्रवार 14 जून 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

पुलवामा हमले के बाद आतँकी समूहों पर कार्रवाई से ... | उमरे मुख्यालय में डीएफसी कार्य के प्रगति की ... | डेढ़ अरब लोग ही भारत से विश्व कप ...

मुक्त विवि की परीक्षाओं का कुलपति व केन्द्राध्यक्षों ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जून 2019 की परीक्षायें पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। जिसका कुलपति एवं केन्द्राध्यक्षों ने निरीक्षण किया।

गौरतलब है कि प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है।

निरीक्षण करते कुलपति

गुरूवार को बीबीए, बीसीए, एमएससी पत्राकारिता, बीए, एमए, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर ओमजी गुप्ता, प्रो.सुधाशुं त्रिपाठी एवं डॉ.विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरूवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया तथा केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

प्रयागराज, शुक्रवार, 14 जून, 2019

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

किकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल बढ़ा -13

टूट गई लोजपा, नई पार्टी का ऐलान - 15

प्रयागराज

मुक्त विवि की परीक्षाओं का कुलपति व केन्द्राध्यक्षों ने किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जून 2019 की परीक्षायें पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से आयोजित की जा रही है। जिसका कुलपति एवं केन्द्राध्यक्षों ने निरीक्षण किया।

गौरतलब है कि प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं। मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है। गुरूवार को बीबीए, बीसीए, एमएससी पत्राकारिता, बीए, एमए, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। इस अवसर पर ओमजी गुप्ता, प्रो.सुधाशुं त्रिपाठी एवं डॉ.विनोद कुमार गुप्त आदि परीक्षा व्यवस्था में लगे रहे। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरूवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया तथा केन्द्राध्यक्षों की निगरानी में पर्यवेक्षकों एवं उड़ाका दलों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

निरीक्षण करते कुलपति

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल बढ़ा -13

टूट गई लोजपा, नई पार्टी का ऐलान - 15

प्रयागराज

मुक्त विवि में योगाभ्यास शिविर 21 जून को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को विशेष योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जायेगा।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने बताया कि 21 जून को प्रातः 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में योगाभ्यास शिविर के विशेष आयोजन की तैयारी की जा रही है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरूवार को तैयारियों की समीक्षा की तथा योगाभ्यास शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र-छात्रायें योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा उत्तीर्ण कर योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इस सत्र से योग में एम.ए प्रारम्भ होने से छात्र-छात्राओं में इस कार्यक्रम के प्रति काफी रूझान है। योग शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिये विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया गया है।

योगाभ्यास शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुये योग शिक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष शिविर में 21 जून को प्रातः 6 बजे जन सामान्य को सम्मिलित होना होगा। जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ ही छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों को निःशुल्क प्रवेश दिया जायेगा।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार ...

इलाहाबाद एक्सप्रेस | प्रयागराज | 2

मुक्त विवि में योगाभ्यास शिविर 21 जून को

__प्रयागराज।__ उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को विशेष योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जायेगा।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने बताया कि 21 जून को प्रातः 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में योगाभ्यास शिविर के विशेष आयोजन की तैयारी की जा रही है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरूवार को तैयारियों की समीक्षा की तथा योगाभ्यास शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र-छात्रायें योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा उत्तीर्ण कर योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इस सत्र से योग में एम.ए प्रारम्भ होने से छात्र-छात्राओं में इस कार्यक्रम के प्रति काफी रूझान है। योग शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिये विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया गया है।

योगाभ्यास शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुये योग शिक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष शिविर में 21 जून को प्रातः 6 बजे जन सामान्य को सम्मिलित होना होगा। जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ ही छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों को निःशुल्क प्रवेश दिया जायेगा।

महानगर
वर्ष 22 | अंक 359 | पृष्ठ : 18+16
मूल्य : छह रुपये
7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 20 संस्करण

अमर उजाला

प्रयागराज
शुक्रवार, 14 जून 2019

सियासत | शाह का मिशन, जोड़ेंगे 2.20 करोड़ नए सदस्य...12 | उत्तर प्रदेश

अमर उजाला | प्रयागराज | युवा Youth | amarujala.com | 6

मुक्त विवि में योगाभ्यास शिविर 21 को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर 21 जून को विशेष योगाभ्यास शिविर आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरजा शंकर शुक्ल के अनुसार 21 जून को सुबह छह से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

कुलपति ने लिया परीक्षा केंद्र का जायजा

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं प्रदेश के 139 केंद्रों में आयोजित की जा रही हैं। बृहस्पतिवार को मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केंद्र का जायजा लिया। भीषण गर्मी के मद्देनजर उन्होंने केंद्र में पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराई और परीक्षार्थियों से भी बातचीत कर जानने का प्रयास किया कि उन्हें कोई समस्या तो नहीं है।

मुक्त चिंतन News Letter
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ
13 जून, 2019

CIQA के अन्तर्गत नैक (NAAC) टीम के विश्वविद्यालय भ्रमण की तैयारियों पर विचार विमर्श

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की टीम के भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु माननीय कुलपति जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों की बैठक की दिनांक 13 जून, 2019 को अपराह्न 12:15 बजे सरस्वती परिसर स्थित बैठक कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की।

बैठक में प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, प्रभारी, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्रीमती सीमा सिंह, दिलीप त्रिपाठी, राजेश पाठक एवं कुलसचिव, डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में (NAAC) की टीम के भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

14-6-2019

विश्वविद्यालय में (NAAC) की टीम के भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

14 जून, 2019

dkyhpj.k fMxzh dkyst] y[kuÅ esa ijh{kk dsUnz dk vkSpd fujh{k.k djrs gq,] ekuuh; dqyifr izks0 dkes'oj ukFk flag th

कुलपति जी ने किया लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार 14 जून, 2019 को कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

आज डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।

कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राम स्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर देहात (परीक्षा केन्द्र '.223) पर परीक्षा देते हुए

सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र '.633) एवं धर्म समाज कालेज, अलीगढ (परीक्षा केन्द्र '.001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र '.019)

मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर (परीक्षा केन्द्र '.053) पर परीक्षा देते हुए

रमा जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र '.1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

श्री जगदम्बा महाविद्यालय, सुलतानगढ़, फतेहपुर (परीक्षा केन्द्र '.698) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

काइस्ट चर्च कालेज, कानपुर (परीक्षा केन्द्र '.010) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

महर्षि शुकदेव स्वामी कल्याण देव डिग्री कालेज, मुजफ्फरनगर (परीक्षा केन्द्र '.1044) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र `.024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

राजेन्द्र प्रसाद डिग्री कालेज, मीरगंज बरेली (परीक्षा केन्द्र `.091) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

हिन्दु कालेज, मुरादाबाद (परीक्षा केन्द्र `.030) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

श्री रमाशंकर बालगोपाल महाविद्यालय,
नसीरपुर, देवकली, गाजीपुर
(परीक्षा केन्द्र ह851)
पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

टी.डी. काजेज, जौनपुर
(परीक्षा केन्द्र `.036)
पर परीक्षा देते हुए
परीक्षार्थी

प्रयागराज, शनिवार, 15 जून, 2019

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

बंगाल में रहना है तो बोलना होगा बांग्ला - 15

प्रयागराज

मुक्त विवि के कुलपति ने लखनऊ केन्द्र का किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। जिसके क्रम में कुलपति ने लखनऊ केन्द्र का निरीक्षण किया।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का कक्षवार निरीक्षण किया और उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षायें आयोजित की जा रही है।

केन्द्र का निरीक्षण करते कुलपति

इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 76 प्रयागराज, शनिवार 15 जून 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

वज्रासन : खाना खाने के तुरंत बाद कर सकते है... | जम्मू- कश्मीर पर राज करने वाले ... | तेंडुलकर ने करार का सम्मान नहीं करने के लिए ...

मुक्त विवि के कुलपति ने लखनऊ केन्द्र का किया निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे है। जिसके क्रम में कुलपति ने लखनऊ केन्द्र का निरीक्षण किया।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने शुक्रवार को कालीचरण डिग्री कालेज, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र का कक्षवार निरीक्षण किया और उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षायें आयोजित की जा रही है। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षकों की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है।

केन्द्र का निरीक्षण करते कुलपति

गौरतलब है कि शुक्रवार को डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा योग आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।

प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

15-6-2019

जी.एस.ए. कालेज ऑफ एजेकेशनल, महुआखेड़ा, फतेहाबाद रोड़ आगरा (परीक्षा केन्द्र '.1460) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

श्री रतिराम महाविद्यालय, बरसाना रोड, मथूरा (परीक्षा केन्द्र '.450) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

फैज–ए–आम मार्डन डिग्री कालेज, मथूरा (परीक्षा केन्द्र '.228) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

सुधाकर महिला पी.जी. कालेज, वाराणसी (परीक्षा केन्द्र हृटछै) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

ज्ञतपीदं ब्वससमहम व िकमहतमम ंदक जमबीदवसवहल भ्ंजीतें(परीक्षा केन्द्र `.1493) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

टी.डी. काजेज,
जौनपुर
(परीक्षा केन्द्र `.036)
पर
परीक्षा
देते हुए
परीक्षार्थी

इस्माइल नेशनल महिला पी.जी. कालेज, मेरठ (परीक्षा केन्द्र `.019) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

रमा जैन कन्या महाविद्यालय, बिजनौर (परीक्षा केन्द्र `.1077) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

जे0बी0 जैन कालेज, सहारनपुर (परीक्षा केन्द्र `.039) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर (परीक्षा केन्द्र `.229) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

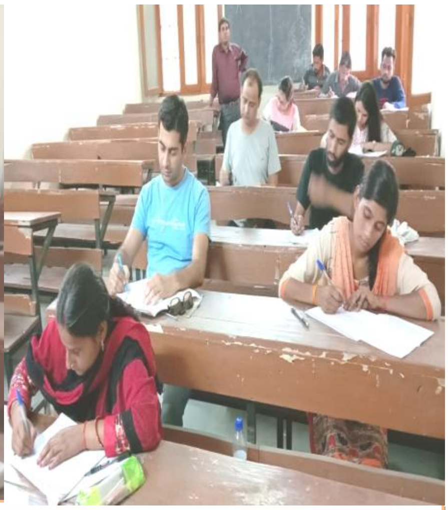

हिन्दु कालेज, मुरादाबाद (परीक्षा केन्द्र `.030) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

बरेली कालेज, बरेली (परीक्षा केन्द्र `.024) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

मुलतानीमल मोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोदीनगर में स्थित परीक्षा केन्द्र पर विजिट करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वय, डॉ0 कविता त्यागी एवं (परीक्षा केन्द्र `.053) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

सरस्वती कालेज ऑफ प्रोफेसनल स्टडीज, गाजीयाबाद(परीक्षा केन्द्र `.633) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

ध्र्म समाज कालेज, अलीगढ में स्थित परीक्षा केन्द्र पर विजिट करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वय, डॉ0 कविता त्यागी एवं (परीक्षा केन्द्र `.001) पर परीक्षा देते हुए परीक्षार्थी

बशीर खॉ महिला महाविद्यालय, जमानिया, गाजीपुर (परीक्षा केन्द्र `.1349) एवं पी.जी. कालेज, गाजीपुर (परीक्षा केन्द्र `. 034) में स्थित परीक्षा केन्द्रों पर विजिट करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वय, डॉ0 सी0के0 सिंह तथा परीक्षा देते हए परीक्षार्थी

61

229

005

ई-कॉमर्स क्षेत्र की चिंताओं को दूर करेंगे : गोयल पेज 17 | फिजी को 11-0 से रौंद भारत सेमीफाइनल में पेज 18

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मोम की प्रियंका

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की मोम से बनी प्रतिमा लंदन के मैडम तुसाद म्यूजियम में लगाई गई है। पेज 20

बुधवार, 19 जून 2019, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 10, अंक 143, 20 पेज ...

प्रयागराज

एमएनएनआईटी में हॉस्टलवार कराया जा रहा योग प्रशिक्षण, ट्रिपलआईटी में हर शनिवार को बताया जाता है योग के फायदे प्रदेश में बढ़ते अपराध

हिन्दुस्तान 08-09

इंजीनियरिंग के छात्र भी पढ़ रहे हैं योगा

प्रयागराज | निज संवाददाता

शरीर के साथ भावी टेक्नोक्रेट्स के मस्तिष्क को निरोग बनाने के लिए योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तकनीकी संस्थानों में इंजीनियरिंग के छात्रों को योग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कहीं सप्ताह में एक बार का प्रशिक्षण शिविर चलाया जा रहा है तो कहीं हॉस्टलवार तरीके से योगाभ्यास कराया जा रहा है। तकनीकी संस्थानों में योग की प्रयोगात्मक परीक्षाएं कराई जाती हैं। जो उनके सेमेस्टर परीक्षा में ग्रेडिंग के रूप में अंकित रहता है।

एमएनएनआईटी छात्र गतिविधि केंद्र के अध्यक्ष प्रो. राजेश गुप्ता ने बताया कि संस्थान में हॉस्टलवार प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्थान में कुल 12 हॉटस्ल हैं। जिनमें तीन गर्ल्स और नौ पुरुष हॉस्टल हैं। एक सप्ताह एक हॉस्टल में योग प्रशिक्षण दिया जाता है। शाम को प्रत्येक दिन एक घंटे योग सिखाया जाता है। इसके साथ सुबह में ईडीसी पार्क में योगाभ्यास कराया जाता है। ट्रिपलआईटी के पीआरओ पंकज मिश्र ने बताया कि संस्थान में प्रत्येक शनिवार को तीन घंटे के लिए योग प्रशिक्षण छात्र-छात्राओं को दिया जाता है। पिछले वर्ष से यह योग प्रशिक्षण शुरू हुआ है। पहले सेमेस्टर के तकरीबन 35 छात्रों ने योग प्रशिक्षण लिया। इस दौरान छात्रों को योगासन, प्राणायाम और बेसिक जानकारी दी जाती है। छात्रों के सेमेस्टर में योग के ग्रेड दिए जाते हैं।

एमएनएनआईटी में योगाभ्यास करते इंजीनियरिंग के छात्र।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग करते शिक्षक।

इविवि:21 को शिक्षक संग छात्र करेंगे योग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पांचवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को सुबह छह बजे प्रॉक्टर ऑफिस के सामने फ्लैग होस्टिंग ग्राउंड पर योगाभ्यास होगा। रजिस्ट्रार प्रो. एनके शुक्ल की ओर से जारी सूचना के अनुसार कार्यक्रम कुलपति प्रो. आरएल हांगलू भी उपस्थित होंगे। इस दौरान एनएसएस, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र योग करेंगे।

मुक्ताकाशी मंच पर प्रशिक्षु करेंगे योग

प्रयागराज। विश्व योग दिवस 21 जून को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के मुक्ताकाशी मंच पर प्रशिक्षु योग करेंगे। योग दिवस पर अन्य लोग मंच के नीचे योग करेंगे। मंच पर वही प्रशिक्षु योग करेंगे जो पिछले छह माह से केंद्र की ओर से चलाई जा रहे शिविर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। विश्व योग दिवस उपलक्ष्य में उत्तर मध्य क्षेत्र सांसकृतिक केंद्र की ओर से पांच दिनों के लिए स्पेशल योग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योग प्रशिक्षण उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र व आर्ट ऑफ लिविंग के संयुक्त तत्वावधान में सुबह पांच से आठ बजे तक कराया जा रहा है। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक इंद्रजीत ग्रोवर ने बताया कि योग दिवस पर योग शिक्षिका डॉ. दिप्ति योगेश्वर की अगुवाई में योग किया जाएगा।

मुक्त विवि में योग पर पीजी तक का पाठ्यक्रम

प्रयागराज | निज संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग पर डिप्लोमा से लेकर परास्नातक तक के पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। इस सत्र से योग विषय से एमए के दाखिले के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। मुविवि में अब तक योग पाठ्यक्रमों आठ हजार से अधिक अभ्यर्थी पढ़ाई दाखिला ले चुके हैं। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि योग की साधना केवल अपने विकास के लिए ही नहीं होनी चाहिए बल्कि इस साधना का लाभ समाज और देश को भी मिलना चाहिए कुलपति ने बताया कि यूजीसी ने इस वर्ष से स्नातक स्तर पर योग विषय को शामिल किए जाने और परास्नतक में योग विषय से एमए पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने की मंजूरी दी है। जबकि पूर्व से ही मुविवि में योग विषय में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और पीज़ी.डिप्लोमा की पढ़ाई चल रही है।

ई-कॉमर्स क्षेत्र की चिंताओं को दूर करेंगे : गोयल पेज 17 | फिजी को 11-0 से रौंद भारत सेमीफाइनल में पेज 18

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बुधवार, 19 जून 2019, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com

प्रयागराज

हिन्दुस्तान 08-09

इंजीनियरिंग के छात्र भी पढ़ रहे हैं योगा

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग करते शिक्षक।

मुक्त विवि में योग पर पीजी तक का पाठ्यक्रम

प्रयागराज | निज संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग पर डिप्लोमा से लेकर परास्नातक तक के पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। इस सत्र से योग विषय से एमए के दाखिले के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। मुविवि में अब तक योग पाठ्यक्रमों आठ हजार से अधिक अभ्यर्थी पढ़ाई दाखिला ले चुके हैं। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि योग की साधना केवल अपने विकास के लिए ही नहीं होनी चाहिए बल्कि इस साधना का लाभ समाज और देश को भी मिलना चाहिए कुलपति ने बताया कि यूजीसी ने इस वर्ष से स्नातक स्तर पर योग विषय को शामिल किए जाने और परास्नतक में योग विषय से एमए पाठ्यक्रम को संचालित किए जाने की मंजूरी दी है। जबकि पूर्व से ही मुविवि में योग विषय में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और पीजी.डिप्लोमा की पढ़ाई चल रही है।

मुक्त चिंतन News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

21 जून, 2019

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस - 21 जून, 2019
योग: कर्मसु कौशलम्

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समय- प्रात: 6 बजे से 7:30 बजे तक

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

मुविवि में विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून, 2019 को प्रात: 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर योग परामर्शदाता डॉ0 अमित कुमार सिंह ने योग की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये योगासन क्रिया को संतुलित जीवन शैली का आधार बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की साथ ही शिविर में उपस्थित सभी को योग क्रिया एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु मा0 कुलपति महोदय ने संकल्प दिलाया।

शिविर में विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 मीरा पाल ने किया। वाचिक स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया।

विशेष योगाभ्यास शिविर की कुछ झलकियां

शिविर में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय नागरिक

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
के तत्वावधान में
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास
दिनांक – 21 जून 2019, समय – प्रातः 6:00 बजे
स्थान – गंगा परिसर, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
विशेष सूचना

शविर में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय नागरिक

शविर में

उपस्थित विश्वविद्यालय के

निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों,

अधिकारियों के साथ

छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय

नागरिक

शविर में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ छात्र–छात्राओं एवं स्थानीय नागरिक

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 मीरा पाल एवं दीप प्रज्ज्वलन करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा साथ में निदेशकगण व कुलसचिव

वन्देमातरम् प्रस्तुत करते हुए श्री भरत जी एवं शत्रुघन जी।

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के सम्पत्ति अधिकारी डॉ0 अनिल सिंह भदौरिया एवं वाचिक स्वागत करते हुए निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन आवश्यक– कुलपति

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग ही एक ऐसा मार्ग है जिससे तनावमुक्त, पीड़ामुक्त, बीमारीमुक्त, स्वस्थ जीवन प्राप्त किया जा सकता है। वैज्ञानिकों और चिकित्सा शास्त्रियों ने भी एक स्वर से स्वीकार किया है कि आज मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन आवश्यक ही नहीं बल्कि अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि योग शिक्षा हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था में योग विज्ञान को प्रमुखता से सम्मिलित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रो0 सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है, और आगे भी निरन्तर योग अभ्यास सत्र चलायें जाय।

शिविर में उपस्थित सभी को योग किया एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु मा0 कुलपति महोदय ने संकल्प दिलाते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

21 जून, 2019

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर कानपुर की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ0 अलका वर्मा, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग क्रिया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग क्रिया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, नोएडा क्षेत्रीय केंद्र ने किया विशाल योगाभ्यास शिविर का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र नोएडा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर प्रातः 6:00 बजे से 7:30 बजे तक स्वास्तिक पार्क , बी ब्लॉक,सैक्टर 62, नोएडा में विशाल योगाभ्यास शिविर आयोजित किया गया। यूपीआरटीओयू की क्षेत्रीय समन्वयक, डॉ कविता त्यागी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख श्रीमान् कृपाशंकर जी ने की। उन्होंने योग के इतिहास की चर्चा करते हुए वर्तमान परिप्रेक्षय में व्यष्टि.समष्टि के कल्याण के लिए अत्यन्त उपयोगी बताया और सभी प्रतिभागियों को अपने अमृत वचनों से को अनुग्रहीत किया। मुख्य अतिथि श्रीमती नीलम मिश्रा, यात्री कर अधिकारी प्रवर्तन , नोएडा ने योग के महत्त्व पर अपने विचार प्रकट किये। विशिष्ट अतिथि श्रीमान् अनिल जी, संयुक्त संगठन मंत्री सेवाभारती संयुक्त क्षेत्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश.उत्तराखंड तथा दिनेश जी संघचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ नोएडा महानगर रहे। इस अवसर पर दो सौ अस्सी प्रतिभागियों ने योग अभ्यास में भाग लिया। योगाभ्यास समापन के उपरान्त प्रतिभागियों को अल्पाहार प्रदान किया गया। डॉ० त्यागी ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहाँ से हजारों छात्र.छात्राएँ योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा करके योग में शिक्षण.प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा इस सत्र से योग में एम०ए० कार्यक्रम का आरंभ किया गया है , जिसमें छात्र. छात्राओं की पर्याप्त रुचि बढ़ रही है और प्रवेश ले रहे हैं।

योग शिविर में प्रतिभाग करती हुई गाजीयाबाद की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ0 कविता त्यागी, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक, डॉ0 शशि भूषण त्रिपाठी, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग क्रिया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र सन्त तुलसी दास पी.जी. कालेज, सुल्तानपुर एवं ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बेडकरनगर पर योगाभ्यास करते हुए शिक्षक एवं छात्र–छात्रायें।

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ के अध्ययन केन्द्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र स्वामी कल्याणदेव डिग्री कालेज, बिजनौर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक, डॉ0 पूनम गर्ग क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्र सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक, डॉ0 आर0बी0 सिंह, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग क्रिया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी एवं अध्ययन केन्द्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी में एवं क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र नेहरु स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ललितपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक, डॉ0 रेखा त्रिपाठी क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्र सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग क्रिया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

दिनांक 21 जून, 2019 को प्रातः 07:30 बजे उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक, डॉ0 सी0के0 सिंह, क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया करते हुए कर्मचारी, छात्र एवं छात्रायें

टिकट पर सब्सिडी छोड़ने का विकल्प मिलेगा पेज 13 | सचिन, लारा का रिकॉर्ड तोड़ेंगे कोहली। पेज 15

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हिन्दुस्तान
प्रयागराज • शनिवार • 22 जून 2019

शुक्रवार को यूपीआरटीयू में योग करते लोग। • हिन्दुस्तान

शिक्षकों-छात्रों और कर्मचारियों ने किया योग

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योगाभ्यास किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। प्रशिक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह के निर्देशन में हुए अभ्यास में डॉ. मीरा पाल, प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता शामिल हुए।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 83 प्रयागराज, शनिवार 22 जून 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन अपरिहार्य - कुलपति

प्रयागराज। योग ही एक ऐसा मार्ग है जिससे तनावमुक्त, पीड़ामुक्त, बीमारीमुक्त, स्वस्थ जीवन प्राप्त किया जा सकता है। वैज्ञानिकों और चिकित्सा शास्त्रियों ने भी एक स्वर से स्वीकार किया है कि आज मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन आवश्यक ही नहीं बल्कि अपरिहार्य है।

यह बातें मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योगाभ्यास शिविर में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि योग शिक्षा हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा

व्यवस्था में योग विज्ञान को प्रमुखता से सम्मिलित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रो. सिंह ने कहा कि उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है और आगे भी निरन्तर योग अभ्यास सत्र चलायें जाय।

विशेष योगाभ्यास शिविर में योग परामर्शदाता एवं प्रशिक्षक डॉ.अमित कुमार सिंह ने योग की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये योगासन क्रिया को संतुलित जीवन शैली का आधार बताया। शिविर में विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों, छात्रा-छात्राओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भी योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मीरा पाल ने, वाचिक स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो.गिरिजा शंकर शुक्ल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया।

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

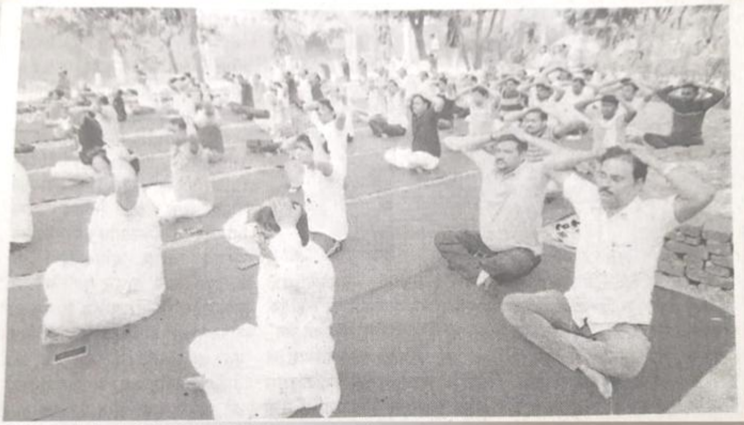

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि योग ही एक ऐसा मार्ग है जिससे तनावमुक्त, पीड़ामुक्त,-बीमारीमुक्त, स्वस्थ्य जीवन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि योग शिक्षा हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। विशेष योगाभ्यास शिविर प्रातः 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर योग परामर्शदाता एवं प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने योग की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये योगासन क्रिया को संतुलित जीवन शैली का आधार बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। शिविर में उपस्थित सभी को योग क्रिया एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु कुलपति ने संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन डा. मीरा पाल ने किया। वाचिक स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याषाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया।

इलाहाबाद, शनिवार
22 जून 2019
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20+4=24

दैनिक जागरण

www.jagran.com

एनएसजी में चीन ने फिर रोका भारत का रास्ता 17

ईरान पर हमले से पीछे हटे डोनाल्ड ट्रंप 18

चेतना जाग्रत करने का सशक्त माध्यम है योग : कामेश्वर नाथ

जासं, प्रयागराज : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय योग संस्थान एवं दैनिक जागरण के संयुक्त तत्वावधान में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में योग की पाठशाला लगी। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने साधकों को योग की महत्ता बताई। कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करने का सशक्त माध्यम है। कहा कि भोगवादी संस्कृति के बीच सेहत को दुरुस्त रखने के लिए हर किसी को अपने जीवन में योग को अपनाना चाहिए।

दैनिक जागरण व भारतीय योग संस्थान की ओर से कंपनी बाग में आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ • जागरण

आयोजन में अमरनाथ सेठ एवं श्रीमती रेखा घोष ने शंखनाद कर ऊर्जा का संचार किया। श्रीमती अनीता चौधरी, अलका श्रीवास्तव, ऊषा साहू, प्रीती श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद शुरू हुई योग की क्रियाओं के बीच गहरे लंबे श्वांस, ओम ध्वनि व गायत्री मंत्र ने योग को और ऊंचाई प्रदान की। सूक्ष्म व्यायाम श्रीमती किरन तिवारी ने कराया। ताड़ासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, शिथिलासन, भुजंगासन, शलभासन, उत्तानपाद आसन, अर्धहलासन, सिंहासन, हंसी, नेत्र सुरक्षा, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी का अभ्यास भी कराया। वंशराज सिंह, श्रीमती लक्ष्मी मिश्रा, विनोद सचदेवा, श्रीमती वीणा श्रीवास्तव, डा. गीता केसरवानी, आरपी राय, अश्वनी कालरा, सर्वेश पाण्डेय, कु. अमृषा पाण्डेय आदि ने साधकों को योग की विधियां बताकर योग क्रियाएं कराईं। इसके साथ साधकों ने ध्यान भी लगाया। इस दौरान योग विचार, योग गीत का भी गायन हुआ।

आयोजन में कु. आद्या गुप्ता, कु. आन्या गुप्ता ने नृत्य की प्रस्तुति दी। सामूहिक प्रार्थना सभी ने योग करने का संकल्प लिया। अध्यक्षता एमएल सिंह यादव ने और संचालन आजाद पार्क केंद्र प्रमुख हनुमान दास गुप्त ने किया।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

22 जून, 2019

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में विश्वविद्यालय के परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कुलपति जी ने किया गोरखपुर में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने शनिवार 22 जून, 2019 को दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में विश्वविद्यालय के परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

आज डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा अन्य विषयों आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

24 जून, 2019

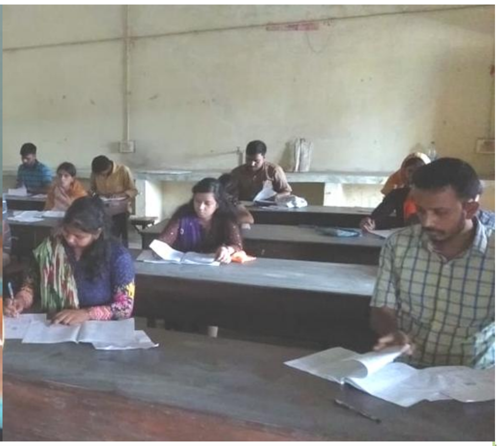

श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कुलपति जी ने किया बलिया में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी कम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार, 24 जून, 2019 को श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

आज डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा अन्य विषयों आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।

परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

मुक्त चिंतन

News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

25 जून, 2019

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कुलपति जी ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून– 2019 की परीक्षाओं के सकुशल एवं पारदर्शितापूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारी प्रदेशव्यापी दौरा कर रहे हैं। इसी कम में मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या झांसी एवं प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अन्य परीक्षा केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षायें आयोजित की जा रही है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने मंगलवार, 25 जून, 2019 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त मात्रा में शीतल जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुए। प्रो0 सिंह ने कक्षवार निरीक्षण किया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य स्थानों पर उड़ाकादल एवं प्रेक्षको की टीम परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर रही है। कुलपति प्रो0 सिंह की सख्ती से नकलचियों के हौसले पस्त है।

आज डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा अन्य विषयों आदि की परीक्षायें आयोजित की गयी। प्रदेश के 139 परीक्षा केन्द्रों में 70 हजार परीक्षार्थी दो पालियों में प्रातः 8 से 11 तथा दोपहर 2 से 5 बजे तक परीक्षा दे रहे हैं।

परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

मुक्त चिंतन News Letter
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ
25 जून, 2019

CIQA के अन्तर्गत नैक (NAAC) की तैयारियों पर विचार विमर्श

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) की टीम के होने वाले भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु माननीय कुलपति जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/प्रभारियों की बैठक की दिनांक 25 जून, 2019 को अपराह्न 02:45 बजे सरस्वती परिसर स्थित बैठक कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की।

बैठक में प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, प्रभारी, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता, उपनिदेशक/एसोशिएट प्रासेफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, एवं कुलसचिव, डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में (NAAC) की टीम के भ्रमण के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श एवं विस्तृत तैयारियों हेतु बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

29 जून, 2019

मुविवि में पुस्तकालय विज्ञान पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा एवं याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 29 जून, 2019 को सरस्वती परिसर लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'एकेडमिक लाइब्रेरीज : स्ट्रेटज़ीस फॉर सस्टेनबुल डेवलपमेंट इन आईसीटी इरा'' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 टी0एन0 दुबे की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव जी तथा विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ0एस0डी0) श्री राजवीर सिंह राठौर जी, एवं मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो0 यू0सी0 शर्मा रहे। राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

संचालन डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 आशुतोष गुप्ता ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो0 आर0पी0एस0 यादव एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में डॉ0 आर0जे0 मौर्या ने प्रकाश डाला। सेवा निवृत्त हो रहे डॉ0 टी0एन0 दुबे के सम्मान में प्रो0 ओमजी गुप्ता ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। अतिथियों ने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका तथा डॉ0 टी0एन0 दुबे के सम्मान में प्रकाशित अभिनन्दन ग्रन्थ का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकालायाध्यक्ष डॉ0 टी0एन0 दुबे के विदाई बेला के अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन ग्रन्थ भेंट किया। अभिनन्दन ग्रंथ के मुख्य सम्पादक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 बी0के0 सिंह ने डॉ0 टी0एन0 दुबे के व्यक्तित्व की विभिन्न आयामों की सराहना की। विश्वविद्यालय की तरफ से कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि डॉ0 टी0एन0 दुबे सदाबहार व्यक्तित्व के धनी हैं। बरेली कालेज से आये डॉ0 बी0डी0 यादव ने डॉ0 दुबे को संघर्षशील साथी बताया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव एवं मंचासीन माननीय अतिथि

सभागार में उपस्थित प्रतिभागी एवं स्रोतागण।

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव जी तथा विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ0एस0डी0) श्री राजवीर सिंह राठौर जी, एवं मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो0 यू0सी0 शर्मा रहे। राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी

स्वागतगीत प्रस्तुत करती हुई छात्रायें

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव जी तथा विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ0एस0डी0) श्री राजवीर सिंह राठौर जी, एवं मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो0 यू0सी0 शर्मा रहे। राष्ट्रीय सेमिनार की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण।

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो0 आर0पी0एस0 यादव

राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में प्रकाश डालते हुए डॉ0 आर0जे0 मौर्या

प्रो0 यू0सी0 शर्मा

मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं डॉ0 टी0एन0 दुबे के गुरू प्रो0 यू0सी0 शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने आज कई चुनौतियां हैं। पहले हम पाठकों को निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराते थे आज हम सूचनाओं के बाजारीकरण के युग में पहुंच गये हैं। ऐसे में तकनीकी के सही उपयोग की और सूचनाओं की विश्वसनीयता तथा प्रमाणिकता बनाये रखने की चुनौतियां हमारे सामने हैं। प्रो0 शर्मा ने डॉ0 टी0एन0 दुबे को विलक्षण प्रतिभा का धनी बताया। डॉ0 दुबे न केवल छात्र के रूप में बल्कि शिक्षक एवं पारिवारिक मित्र के रूप में भी लोगों की मदद करने के लिये हमेशा अव्वल रहते हैं।

विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ0एस0डी0) श्री राजवीर सिंह राठौर जी, तथा मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव जी एवं मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो0 यू0सी0 शर्मा जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी

विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशकगण।

राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण।

मुविवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 टी0एन0 दुबे का सेवानिवृत्ति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान

सेवा निवृत्त हो रहे डॉ0 टी0एन0 दुबे के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन करते हुए प्रो0 ओमजी गुप्ता

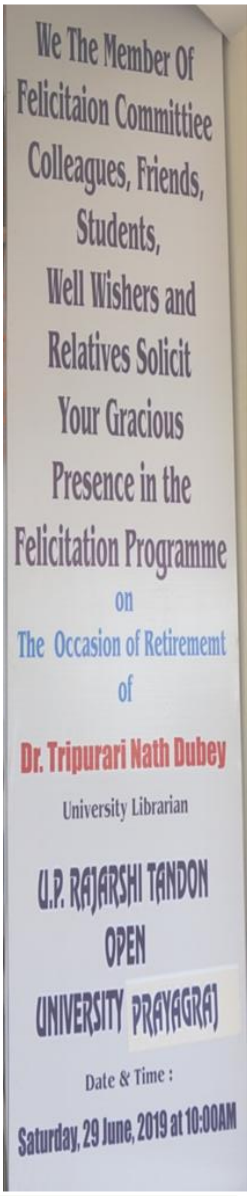

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 टी0एन0 दुबे के विदाई बेला के अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं अन्य अतिथिगण।

डॉ0 टी0एन0 दुबे के सम्मान में प्रकाशित अभिनन्दन ग्रन्थ का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण।

पुस्तकालायाध्यक्ष डॉ0 टी0एन0 दुबे के विदाई बेला के अवसर पर उन्हें अभिनन्दन ग्रन्थ भेंट करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए अतिथि।

प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे

विश्वविद्यालय की तरफ से कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि डॉ0 टी0एन0 दुबे सदाबहार व्यक्तित्व के धनी हैं।

डॉ0 बी0के0 सिंह

अभिनन्दन ग्रंथ के मुख्य सम्पादक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 बी0के0 सिंह ने डॉ0 टी0एन0 दुबे के व्यक्तित्व की विभिन्न आयामों की सराहना करते हुए।

मुविवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 टी0एन0 दुबे का सेवानिवृत्ति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान

डॉ0 टी0एन0 दुबे जी को माला पहनाकर सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि,शिक्षक एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण।

डॉ0 टी0एन0 दुबे जी को माला पहनाकर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

डॉ0 टी0एन0 दुबे जी को माला पहनाकर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

डॉ0 टी0एन0 दुबे

सेमिनार के संयोजक डॉ0 टी0एन0 दुबे ने अपने सम्मान में आयोजित समारोह में कहा कि आज का यह क्षण बहुत ऐतिहासिक है जब उनके गुरू प्रो0 यू0सी0 शर्मा एवं उनके कई छात्र समारोह में उपस्थित हैं। उन्होंने शिक्षा को अपनी पूंजी बताते हुये कहा कि जब भी मौका मिलेगा वह जरूरतमंदों को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में मदद करते रहेंगे।

श्री राजवीर सिंह राठौर

पुस्तकालय समाज की अकदामिक तथा शोध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले होना चाहिये—श्री राठौर

विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ0एस0डी0) श्री राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि पुस्तकालयों हेतु उपलब्ध सीमित मानवीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिये। पुस्तकालय समाज की अकदामिक तथा शोध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले होना चाहिये तभी उनका उद्देश्य पूरा होगा। उन्होने कहा कि डॉ0 टी0एन0 दुबे सेवानिवृत्ति के बाद अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित में करें। उन्होने उनकी कार्यशैली की सराहना की।

प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव

शिक्षा एवं समाज के हित में हो पुस्तकालयों अधिकतम उपयोग– प्रोफेसर यादव

मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव ने कहा कि मानवीय संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुये पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय सेवाओं के संदर्भ में नियुक्तियां बहुत कम हो रही हैं, ऐसे में इस क्षेत्र के विद्वानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। शोध के क्षेत्र में विकास के लिए उन्होंने सुझाव दिया कि शोध पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त विद्वान आचार्यों के अनुभवों का लाभ शोधार्थी एवं समाज को मिलना चाहिये। प्रो0 यादव ने डॉ0 टी0एन0 दुबे की प्रभावशाली व्यक्तित्व, विषय के क्षेत्र में उनकी विलक्षण क्षमता एवं उनकी बहुमूल्य सेवाओं की सराहना की।

प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह

सूचनाओं को संकलित करना और वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है– कुलपति

अध्यक्षता करते हुये विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना और वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के इण्डिया टुमारो अभियान की सराहना करते हुये कहा कि युवाओं को आज कुशल एवं दक्ष बनाये जाने की आवश्यकता है। इसके लिये हमें अच्छे तरीके से टेक्नोलॉजी विकसित करना होगा जिससे युवा हुनरमंद बन सके। उन्होंने डॉ0 टी0एन0 दुबे की लोकप्रिय व्यक्तित्व की भूरि–भूरि सराहना की। उन्होने उनके विदाई समारोह में हुये सम्मान को अनोखी एवं अनूठी परम्परा बताया। कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि डॉ0 दुबे ने कैम्पस में ग्रीन एकेडमिक एक्टीविटीज के क्रियान्वयन में सराहनीय योगदान दिया। विश्वविद्यालय में की गयी उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जायेगा।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो0 आशुतोष गुप्ता

राष्ट्रगान करते हुए माननीय अतिथिगण।

माननीय अतिथिगण

के

साथ ग्रप फोटोग्राफी कराते

प्रतिभागी, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

प्रयागराज, रविवार, 30 जून, 2019

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

नयी आयी पसंद आदी, लेकिन हम है 'टीम प्लेयर': विराट -13

काम के प्रति ईमानदार रहना जरूरी : आलिया - 15

शिक्षा एवं समाज के हित में हो पुस्तकालयों का अधिकतम उपयोग : प्रो यादव

मुविवि में पुस्तकालय विज्ञान पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

राष्ट्रीय सेमिनार व विदाई समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि व अन्य

प्रयागराज। मानवीय संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुए पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। पुस्तकालय सेवाओं के संदर्भ में नियुक्तियां बहुत कम हो रही हैं, ऐसे में इस क्षेत्र के विद्वानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

यह बातें अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रो. केदारनाथ सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा एवं याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को ह्यएकेडमिक लाइब्रेरीजः स्टेज्टजीस फॉर सस्टेनबुल डेवलपमेंट इन आईसीटी इराह्न विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. टी.एन दुबे की विदाई समारोह में कही। उन्होंने शोध के क्षेत्र में विकास के लिए सुझाव दिया कि शोध पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त विद्वान आचार्यों के अनुभवों का लाभ शोधार्थी एवं समाज को मिलना चाहिये।

विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि पुस्तकालयों हेतु उपलब्ध सीमित मानवीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिये। पुस्तकालय समाज की अकदामिक तथा शोध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने वाला होना चाहिये तभी उनका उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि डॉ. टी.एन दुबे सेवानिवृत्ति के बाद अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित में करें। मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं डॉ. टी.एन दुबे के गुरू प्रो. यू.सी शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने आज कई चुनौतियां हैं। पहले हम पाठकों को निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराते थे आज हम सूचनाओं के बाजारीकरण के युग में पहुंच गये हैं। ऐसे में तकनीकी के सही उपयोग की और सूचनाओं की विश्वसनीयता तथा प्रमाणिकता बनाये रखने की चुनौतियां हमारे सामने हैं।

अध्यक्षता करते हुये मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना और वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के इण्डिया टूमारो अभियान की सराहना करते हुये कहा कि युवाओं को आज कुशल एवं दक्ष बनाये जाने की आवश्यकता है। इसके लिये हमें अच्छे तरीके से टेक्नोलॉजी विकसित करना होगा जिससे युवा हुनरमंद बन सके। उन्होंने उनके विदाई समारोह में हुए सम्मान को अनोखी एवं अनूठी परम्परा बताया और कहा कि विश्वविद्यालय में की गयी उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जायेगा। संचालन डॉ.ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो.आशुतोष गुप्ता ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो. आरपीएस यादव एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में डॉ. आर.जे मौर्या ने प्रकाश डाला। अतिथियों ने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका तथा टी.एन दुबे के सम्मान में प्रकाशित अभिनन्दन ग्रन्थ का विमोचन किया। सेमिनार के संयोजक डॉ. टी.एन दुबे ने कहा कि आज का यह क्षण बहुत ऐतिहासिक है। उन्होंने शिक्षा को अपनी पूंजी बताते हुए कहा कि जब भी मौका मिलेगा वह जरूरतमंदों को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में मदद करते रहेंगे। राष्ट्रीय संगोष्ठी में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

SUNDAY | 30.06.2019
उत्तर प्रदेश
अमर उजाला

आज नई जर्सी पहन
इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

पुस्तकालयों का समाज हित में इस्तेमाल हो : प्रो. यादव

यूपीआरटीओयू में पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. पीएन दूबे के अवकाश प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

मुविवि में हुआ सेमिनार, पुस्तकालयाध्यक्ष का रिटायरमेंट पर हुआ सम्मान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को 'एकेडमिक लाइब्रेरीजः स्ट्रैटजीस फॉर सस्टेनबुल डेवलपमेंट इन आईसीटी इरा' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं रिटायर हुए पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. टीएन दुबे का विदाई समारोह हुआ।

मुख्य अतिथि अवधेश पताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति प्रो. केदारनाथ सिंह यादव ने कहा कि मानवी संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुए पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चत करना हमारी जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथि राजभवन लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि पुस्तकालयों के लिए उपलब्ध सीमित मानवीय संसाधनों को बेहतर उपयोग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. टीएन दुबे रिटायरमेंट के बाद अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित में करें। उन्होंने डॉ. दुबे की कार्यशैली की सराहना की। मुख्य वक्ता प्रो. यूसी शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों केसामने आज कई चुनौतियां हैं। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना एवं वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, स्वागत प्रो. आरपीएस यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आशुतोष गुप्ता ने किया। सेमिनार में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। विभिन्न तकनीकी सत्रों में डॉ. बीके सिंह, प्रो. एमपी सिंह, डॉ. निरंजन सिंह, डॉ. वेदानंद त्रिपाठी, डॉ. बीबी यादव, डॉ. सत्य प्रकाश त्रिपाठी आदि ने विचार व्यक्त किए।

प्रयागराज, रविवार 30 जून 2019

दैनिक जागरण

www.jagran.com

कल से बालू के अवैध भंडारण की होगी जांच 7

ट्रंप ने किम जोंग को आज कोरियाई सीमा पर बुलाया 20

युवा जागरण

दैनिक जागरण

प्रयागराज, 30 जून 2019

www.jagran.com

अब मुक्त विवि से करें होम साइंस में परास्नातक

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से बैचलर आफ साइंस इन ह्यूमन न्यूट्रिशन, मास्टर आफ साइंस इन फूड एंड न्यूट्रिशन तथा गृह विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में नामांकन शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय ने इसे लागू कर दिया है।

मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि यूजीसी के डिस्टेंस एजूकेशन ब्यूरो के 27 जून के पत्र के आधार पर इस आशय का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि वह विश्वविद्यालय छात्रों के व्यापक हित में उक्त विषयों के पाठ्यक्रम तैयार करा चुका है। विश्वविद्यालय के तरफ से इन कार्यक्रमों की मान्यता के लिये आवेदन यूजीसी में लंबित था। इन विषयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए छात्रों की मांग भी थी।

पुस्तकालयों का हो अधिक उपयोग

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा एवं याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को 'एकेडमिक लाइब्रेरीज : स्टेटजीस फॉर सस्टेनबुल डेवलपमेंट इन आइसीटी इरा' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. टीएन दुबे को विदाई भी दी गई। मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति प्रो. केदारनाथ सिंह यादव ने कहा कि पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथि राजभवन लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि संसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिए। मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. यूसी शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने कई चुनौतियां हैं। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना और वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आशुतोष गुप्ता ने किया।

SUNDAY | 30.06.2019

उत्तर प्रदेश

amarujala.com

अमर उजाला

प्रयागराज

आज नई जर्सी पहन इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

स्पोर्ट्स

amarujala.com

अमर उजाला | प्रयागराज | युवा Youth

प्रयागराज | रविवार, 30 जून 2019

11

मुक्त विवि से होम साइंस, न्यूट्रिशन में करें पीजी

राजर्षि टंडन पाठ्यक्रम में तीन नए पाठ्यक्रम शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के वर्तमान सत्र से बैचलर ऑफ साइंस इन ह्यूमन न्यूट्रिशन, मास्टर ऑफ साइंस इन फूड एंड न्यूट्रिशन एवं गृह विज्ञान में परास्नातक कार्यक्रम में नामांकन शुरू हो गया है। यह निर्णय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के डिस्टेंस एजेकेशन ब्यूरो के 27 जून को पत्र के आधार पर मुक्त विश्वविद्यालय में तीन नए पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय छात्रों के हित में इन विषयों के पाठ्यक्रम तैयार करा चुकी है। यह बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय की ओर से इन कार्यक्रमों की मान्यता के लिए आवेदन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में लंबित था। इन विषयों में स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित करने की छात्रों ने मांग की थी जो अब पूरी हो गई है। गौरतलब है कि इसी वर्ष यूजीसी ने परास्नातक में उर्दू एवं भूगोल कोर्स की मान्यता दी है जिसमें प्रवेश चल रहा है। वर्तमान जुलाई सत्र के प्रवेश की भी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

काम के प्रति ईमानदार रहना जरूरी : आलिया - 15

नयी जर्सी पसंद आयी, लेकिन हम हैं 'टीम ब्लू': विराट -13

जनसंदेश टाइम्स प्रयागराज, रविवार, 30 जून, 2019 3

प्रयागराज

मुविवि से करिये होम साइंस एवं न्यूट्रिशन में स्नातकोत्तर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में वर्तमान सत्र से बैचलर आफ साइंस इन ह्यूमन न्यूट्रिशन, मास्टर आफ साइंस इन फूड एण्ड न्यूट्रिशन तथा गृहविज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में नामांकन प्रारम्भ हो गया है। उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने देते हुए बताया कि यह निर्णय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय ने लिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के डिस्टेन्स एजूकेशन ब्यूरो के 27 जून 2019 के पत्र के आधार पर इस आशय का निर्णय लिया गया। यह विश्वविद्यालय छात्रों के व्यापक हित में उक्त विषयों के पाठ्यक्रम तैयार करा चुका है, जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय की तरफ से उक्त कार्यक्रमों की मान्यता के लिये आवेदन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में लम्बित था। इन विषयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करने के लिये छात्रों की मांग थी, जो पूर्ण हो गयी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने स्नातकोत्तर में उर्दू तथा भूगोल कोर्स की मान्यता दी जिसमें प्रवेश चल रहा है।

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

44.0° 31.2°

प्रयागराज

फूड एंड न्यूट्रीशन साइंस से करें पीजी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नए सत्र में अभ्यर्थी फूड एंड न्यूट्रीशन साइंस से परास्नातक कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम के संचालन के लिए यूजीसी से शनिवार को मुक्त विश्वविद्यालय को मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही बैचलर ऑफ साइंस इन हयूमन न्यूट्रीशन, एवं गृह विज्ञान विषय के संचालन की मंजूरी दी है।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के तरफ से उक्त पाठ्यक्रमों की मान्यता की मांग काफी दिनों से यूजीसी में लंबित थी।

शिक्षा एवं समाज हित में पुस्तकालय अधिक उपयोगी -प्रो. के. एन. सिंह यादव

पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ०टी०एन०का सेवा निवृति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार एवं विदाई समारोह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मानविकी विद्याशाखा एवं याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को सरस्वती परिसर लोक मान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में ''एकेडमिक लाइब्रेरीज: स्ट्रैटजीस फार सस्टेनबुल डेवलपमेंट इन आईसीटी इरा'' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार एवं विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ०टी०एन० दुबे की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति प्रो० केदार नाथ सिंह यादव रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मानवीय संसाधनो का अनुकूलतम विकास करते हुए पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा है कि पुस्तकालय सेवाओं के संदर्भ में नियुक्तियो बहुत कम हो रही है। ऐसे में इन क्षेत्रों की विद्वानों की जिम्मदारी बढ़ जाती है। शोध के क्षेत्रमें उन्होने सुझाव दिया कि शोध पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत विद्वान आचार्यों के अनुभव का लाभ शोधार्थी एवं समाज को मिलना चाहिए। विशिष्ट अतिथि राजभवन लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि पुस्तकालयो हेतु उपल्ध सिमित मानवीयसंसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिए। उन्होंनें डा० टी०एन० दुबे के कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सेवानिवृति के बाद अपने ग्यान का उपयोग समाज हित में करे। मुख्य वक्ता यूसी० शर्मा ने आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना

विज्ञान विभागके अध्यक्ष एवं डा० टी०एन०दुबे के गुरु प्रो० यू०सी० शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने आज कई चुनौतियां है। पहले हम पाठको को निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराते थे, आज हम सूचनाओं के बाजारीकरण के युग में पहुंच गये है। प्रो० प्रेम प्रकाश दुबे ने टी०एन०दुबे के कार्यशैली सराहना करते हुए उन्हे सदाबहार के व्यक्तित्व के धनी बताया। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना एवं वांछनीय लोगो तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। इसके पूर्व राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका अभिनंदन ग्रंथ का विमोचन किया गया। सेमिनार में लगभग ५०से अधिक प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत करने के साथ ही २७५ प्रतिभागियों ने देश के सभी प्रदेशों से भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्याद ज्ञापन प्रो०आशुतोश गुप्ता ने किया। अतिथियो का स्वागत प्रो. आर.पी.एस यादव एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में डा० आर जे मौर्या ने विस्तार पुर्वक प्रकाश डाला। सेवा निवृत हो रहे डा० टी० एन० दुबे के सम्मान में प्रो० ओम जी गुप्ता ने प्रस्सति पत्र का वाचन किया। इस अवसर पर मुख्य रुप से डा० विके सिंह, डा०सर्वेश कुमार, डा० संजीव सर्राफ, प्रमोद कुमार यादव,डा० मीरा पाल,डा० सोनी मिश्रा,डा० शशि मिश्रा, अजय कुमारयादव,डा० शैलश यादव,प्रा० एम पी सिंह,डा०सत्यप्रकाश त्रिपाठी, आदि लोग उपस्थित थे।

पुस्तकालय एवं सूचना के क्षेत्र में जीवन भर करता रहुगां मदद- डॉ० टी० एन० दुबे

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार एवं विदाई सम्मान समारोह में डॉ० टी०एन दुबे बेहद भावुक दिखे। उपस्थित अतिथियों के साथ ही वक्ताओं ने भी उनकी कार्यशैली एवं योगदान का प्रशंसा किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के सहयोजक डॉ० टी०एन० दुबे ने अपने सम्मान में आयोजित समारोह में कहा कि आज का यह क्षण हमारे जीवन का ऐतीहासिक है जब उनके गुरु प्रो० यू०सी०शर्मा एवं उनके कई छात्र समारोह में उपस्थित है उन्होने शिक्षाको अपनी पूंजी बताते हुए कहा कि जब भी मौका मिलेगा वह जरुरत मंदो को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में मदद करते रहेंगे।

मुविवि के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे का सेवानिवृत्ति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा एवं याज्ञवल्क्य ग्रन्थालय के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सरस्वती परिसर लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'एकेडमिक लाइब्रेरीज : स्ट्रेटज़ीस फॉर सस्टेनबुल डेवलपमेंट इन आईसीटी इरा" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रींवा के कुलपति प्रसिद्ध सांख्यिकीविद प्रोफेसर केदारनाथ सिंह यादव ने कहा कि मानवीय संसाधनों का अनुकूलतम विकास करते हुये पुस्तकालयों का शिक्षा एवं समाज के हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पुस्तकालय सेवाओं के संदर्भ में नियुक्तियां बहुत कम हो रही हैं, ऐसे में इस क्षेत्र के विद्वानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। शोध के क्षेत्र में विकास के लिए उन्होंने सुझाव दिया कि शोध पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त विद्वान आचार्यों के अनुभवों का लाभ शोधार्थी एवं समाज को मिलना चाहिये। प्रो० यादव ने डॉ० टी०एन० दुबे की प्रभावशाली व्यक्तित्व, विषय के क्षेत्र में उनकी विलक्षण क्षमता एवं उनकी बहुमूल्य सेवाओं की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि राजभवन, लखनऊ के विशेष कार्याधिकारी (ओ०एस०डी०) श्री राजवीर सिंह राठौर ने कहा कि पुस्तकालयों हेतु उपलब्ध सीमित मानवीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होना चाहिये। पुस्तकालय समाज की अकदामिक तथा शोध सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने वाले होना चाहिये तभी उनका उद्देश्य पूरा होगा। उन्होने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे सेवानिवृत्ति के बाद अपने ज्ञान का उपयोग समाज हित में करें। उन्होने उनकी कार्यशैली की सराहना की।

मुख्य वक्ता आगरा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं डॉ० टी०एन० दुबे के गुरू प्रो० यू०सी० शर्मा ने कहा कि पुस्तकालयों के सामने आज कई चुनौतियां हैं। पहले हम पाठकों को निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध कराते थे आज हम सूचनाओं के बाजारीकरण के युग में पहुंच गये हैं। ऐसे में तकनीकी के सही उपयोग की और सूचनाओं की विश्वसनीयता तथा प्रमाणिकता बनाये रखने की चुनौतियां हमारे सामने हैं। प्रो० शर्मा ने डॉ० टी०एन० दुबे को विलक्षण प्रतिभा का धनी बताया। डॉ० दुबे न केवल छात्र के रूप में बल्कि शिक्षक एवं पारिवारिक मित्र के रूप में भी लोगों की मदद करने के लिये हमेशा अव्वल रहते हैं।

अध्यक्षता करते हुये उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि सूचनाओं को संकलित करना और वांछनीय लोगों तक पहुंचाना पुस्तकालय विज्ञान का कार्य है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के इण्डिया टुमारो अभियान की सराहना करते हुये कहा कि युवाओं को आज कुशल एवं दक्ष बनाये जाने की आवश्यकता है। इसके लिये हमें अच्छे तरीके से टेक्निोलॉजी विकसित करना होगा जिससे युवा हुनरमंद बन सके। उन्होंने डॉ० टी०एन० दुबे की लोकप्रिय व्यक्तित्व की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होने उनके विदाई समारोह में हुये सम्मान को अनोखी एवं अनूठी परम्परा बताया। कुलपति प्रो० सिंह ने कहा कि डॉ० दुबे ने कैम्पस में ग्रीन एकेडमिक एक्टीविटीज के कियान्वयन में सराहनीय योगदान दिया। विश्वविद्यालय में की गयी उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जायेगा।

संचालन डॉ० ज्ञान प्रकाश यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो० आशुतोष गुप्ता ने किया। अतिथियों का स्वागत प्रो० आर०पी०एस० यादव एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के बारे में डॉ० आर०जे० मौर्या ने प्रकाश डाला। सेवा निवृत्त हो रहे डॉ० टी०एन० दुबे के सम्मान में प्रो० ओमजी गुप्ता ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। अतिथियों ने राष्ट्रीय सेमिनार की स्मारिका तथा टी०एन० दुबे के सम्मान में प्रकाशित अभिनन्दन ग्रन्थ का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो० सिंह एवं अन्य अतिथियों ने पुस्तकालायाध्यक्ष डॉ० टी०एन० दुबे के विदाई बेला के अवसर पर उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन ग्रन्थ भेंट किया। अभिनन्दन ग्रंथ के मुख्य सम्पादक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० बी०के० सिंह ने डॉ० टी०एन० दुबे के व्यक्तित्व की विभिन्न आयामों की सराहना की। विश्वविद्यालय की तरफ से कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि डॉ० टी०एन० दुबे सदाबहार व्यक्तित्व के धनी हैं। बरेली कालेज से आये डॉ० बी०डी० यादव ने डॉ० दुबे को संघर्षशील साथी बताया।

सेमिनार के संयोजक डॉ० टी०एन० दुबे ने अपने सम्मान में आयोजित समारोह में कहा कि आज का यह क्षण बहुत ऐतिहासिक है जब उनके गुरू प्रो० यू०सी० शर्मा एवं उनके कई छात्र समारोह में उपस्थित हैं। उन्होंने शिक्षा को अपनी पूंजी बताते हुये कहा कि जब भी मौका मिलेगा वह जरूरतमंदों को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में मदद करते रहेंगे। डॉ० टी०एन० दुबे के विदाई समारोह में प्रदेश भर से तथा प्रयागराज के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के अन्य तकनीकी सत्रों में डॉ० बी०के० सिंह, प्रो० ए०पी० सिंह, प्रो० एम०पी० सिंह, डॉ० निरंजन सिंह, डॉ० वेदानन्द त्रिपाठी, डॉ० बी०बी० यादव, डॉ० सत्य प्रकाश त्रिपाठी, डॉ० टी०एन० दुबे, डॉ० राम जनम मौर्य, श्री राजेश कुमार गौतम, डॉ० सोनी मिश्रा आदि ने विचार व्यक्त किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किये।